दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 भोपाल, मंगलवार 29 जुलाई 2025 , शुक्ल पक्ष पंचमी, विक्रम संवत -2082 , वर्ष -9 अंक -92 पृष्ठ -08 मूल्य-4 भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

सेवा के संकल्प से प्रारंभ की नि:शुल्क शव वाहन सेवा: सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों के लिए भिजवाए वाहन

प्रदेश के सभी जिलों के लिये 148 वाहनों की व्यवस्था

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जिलों के लिए आरंभ की गई शव वाहन व्यवस्था के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए वाहन रवाना किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास परिसर से झंडी दिखाकर जिलों के लिए निःशुल्क शव वाहन भेजने के अवसर पर कहा कि मनुष्यता, सेवा भाव और समाज के गरीब वर्ग सहित अन्य जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क शव वाहन सेवा प्रारंभ की जा रही है। सेवा के संकल्प के अंतर्गत जिला

चिकित्सालयों के लिए दो वाहन और चिकित्सा महाविद्यालयों वाले जिलों के लिए चार शव वाहन की व्यवस्था करते हुए प्रदेश में कुल 148 शव वाहनों का संचालन प्रारंभ किया गया है। इस व्यवस्था से परिवहन सुविधा प्राप्त होने पर दिवंगत व्यक्ति की देह को ससम्मान गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में सुविधा होगी। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिसमें वाहन चालक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शव वाहन का संचालन राज्य सरकार द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानों में ही मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई प्रकार की जनहितैषी और जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार ने शुरू की हैं। निःशुल्क शव वाहन सेवा एक अत्यंत संवेदनशील और बड़ी योजना है जो राज्य सरकार ने शुरू की है।

एयर एम्बुलेंस और राहवीर योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन हितैषी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का कार्य किया है। गरीब, युवा, महिला, किसान सभी के कल्याण के लिए केंद्र ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

बेशक अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी है लेकिन खुद को धंन्ना सेठ समझने वाले डोनाल्ड ट्रंप के धंधे की भारत ने वाट लगा दी है। ट्रंप यह भूल गये हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। जिससे पंगा मोल लेने की हिमाकत कोई मूर्ख ही करेगा। अब भारत भी एक बड़ा कारोबारी बन रहा है। जिसके गल्ले पर जो बनिया बैठें हैं वे रिश्ते में डोनाल्ड ट्रंप के बाप लगते हैं। इधर ट्रंप टैरिफ टैरिफ भजते रहे और भारत ने इंग्लैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता कर ट्रंप को जोर का झटका जोर से दे दिया।

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

नई दिल्ली/ए.। 19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का एफआईडीई महिला वल्ड कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी। मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

कर्नल सोफिया मामला: मंत्री कुंवर विजय शाह को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए विवादित बयान पर सर्वोच्च अदालत ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मंत्री विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि आप हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि मंत्री विजय शाह की मंशा पर अदालत को शक है। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि क्या विजय शाह ने अब तक अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है।

धर्मांतरण: छांगुर बाबा की बढ़ी मुश्किलें, 5 दिन की ईडी रिमांड में

लखनऊ(आईएएनएस)। धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छांगुर बाबा को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिनों की ईडी रिमांड में भेज दिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने छांगुर बाबा को अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद छांगुर बाबा को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छांगुर बाबा पर गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से संबंधित षड्यंत्र रचने का आरोप है। पिछले दिनों इस मामले में ईडी की लखनऊ शाखा ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई स्थित छांगुर बाबा और उनके करीबियों के 15 ठिकानों पर छापा मारा था।

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

भारत के सैनिक शेर हैं

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान रक्षामंत्री की पाकिस्तान को दो टूक

नई दिल्ली (आईएएनएस)। लोकसभा में सोमवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शेर अगर मेंढकों को मारे तो उसका बहुत अच्छा संदेश नहीं जाता। भारत के सैनिक शेर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान कहा, हमारा इतिहास है कि हमने कभी भी किसी की एक इंच जमीन पर कब्जा नहीं किया। शेर अगर मेंढकों को मारे तो उसका बहुत अच्छा संदेश नहीं जाता। हमारी सेना शेर है। पाकिस्तान जैसा, जो अपने अस्तित्व के लिए दूसरों पर आश्रित हो, उससे मुकाबले का मतलब है अपना स्तर कम करना। हमारी नीति है, आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना। हमारा पाकिस्तान विरोध उनकी आतंकवाद की नीति के कारण है। राजनाथ सिंह ने भगवान राम और कृष्ण का जिक्र करते हुए कहा हमारी प्रवृत्ति भगवान राम और भगवान कृष्ण से प्रेरित है, जो हमें शौर्य भी सिखाती है और धैर्य भी सिखाती है। हमने भगवान कृष्ण से सीखा शिशुपाल की 100 गलतियां माफ की जा सकती हैं, लेकिन अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है। इस सीख का हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी विदेश और रक्षा नीति में प्रयोग कर रहे हैं। आज भारत पहले दोस्ती का हाथ बढ़ाता है, लेकिन अगर कोई देश धोखा दे,

तो वह उसकी कलाई भी मरोड़ना जानता है।

नेता विपक्ष ने एक बार भी नहीं पूछा दुश्मन के कितने विमान मार गिराए : राजनाथ सिंह

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर संसद में विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्षी नेताओं पर करारा हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, नेता प्रतिपक्ष हमेशा पूछा कि हमारे कितने विमान पाकिस्तान ने मार गिराए, एक बार भी नहीं पूछा कि दुश्मन के हमने कितने विमान मार गिराए। राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष को सवाल जरूर पूछना चाहिए, लेकिन सवाल उद्देश्यपूर्ण और राष्ट्रीय हित में होना चाहिए। ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले- आतंकवाद किसी रूप में स्वीकार नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद हमने ठोस संदेश दिया। हमें पाकिस्तान को कड़ा जवाब देना था। 23 अप्रैल को हमने बैठक में सिंधु जल समझौता रोका। अटारी चेक पोस्ट को बंद किया गया था। पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया। पाकिस्तान के रक्षा प्रतिनिधि को पाकिस्तान के दूतावास से वापस भेजा गया। पहलगाम हमले के बाद हमने वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान के आतंकवाद के बारे में बताया। हम आतंकवाद को किसी प्रकार से स्वीकार

नहीं करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। परिषद ने कहा था कि आतंकी घटना को अंजाम देने वालों को उचित दंड दिया जाए।

विदेश मंत्री-मोदी और ट्रंप में कोई बात नहीं हुई, विपक्ष पर भड़के शाह बोले- इन्हें किसी और देश पर भरोसा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सदन को नौ मई की सुबह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की फोन कॉल को लेकर जानकारी दी। उन्होंने सदन को बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि पाकिस्तानी बड़ा हमला कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे साफ कह दिया कि भारत

मुंहतोड़ जवाब देगा। जयशंकर ने किसी भी तरह की मध्यस्थता से इनकार करते हुए कहा कि सीजफायर की पहल पाकिस्तान की ओर से हुई थी। हमने साफ कह दिया था कि पाकिस्तान अगर युद्ध रोकना चाहता है तो उसके डीजीएमओ हमारे डीजीएमओ से ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने किया सवाल, कहा-

आतंकवादी पहलगाम में कैसे आए? आप पीओके कब लेंगे ?

नई दिल्ली (आईएएनएस)। लोकसभा में सोमवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार से सवाल किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि रक्षा मंत्री ने यह नहीं बताया कि आतंकवादी पहलगाम में कैसे आए? कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान लोकसभा में कहा, सदन में सच्चाई सामने आनी चाहिए। चाहे वह 'पहलगाम आतंकी हमले' की हो या 'ऑपरेशन सिंदूर' की या फिर 'विदेश नीति' की, सभी सच्चाई सामने आनी चाहिए। राजनाथ सिंह ने आज बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने यह नहीं कहा कि पहलगाम के बैसरन में आतंकी कैसे आए? कैसे

पाकिस्तान से आतंकवादी पहलगाम पहुंचे और 26 लोगों की हत्या कर दी? रक्षा मंत्री भले न बताएं, लेकिन हम विपक्ष में होने के नाते देशहित में सवाल पूछेंगे। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सरकार से सवाल भी किया। उन्होंने कहा, देश जानना चाहता है। 100 दिन बीतने के बाद भी सरकार ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

ललन सिंह का पलटवार: यूपीए सरकार में पनपा आतंकवाद

केंद्रीय मंत्री और सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने लोकसभा में जवाब दिया। उन्होंने गौरव गोगोई पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस सांसद ने सेना की वीरता, शौर्य और पराक्रम पर एक भी शब्द नहीं कहा।राजीव रंजन सिंह ने लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान कहा, आप (गौरव गोगोई) देशभक्ति की बात कर रहे हैं। आप इस पर बात कर रहे हैं कि कितने जहाज गिरे, लेकिन गौरव गोगोई ने एक शब्द भी सेना की वीरता, शौर्य और पराक्रम पर नहीं कहा। 2004 से 2014 तक यूपीए के शासनकाल में आतंकवाद पनपा है, उसे जगह मिली। जब यूपीए की सरकार थी, तब मैं भी सदन का सदस्य था और यूपीए शासन के समय में आतंकी घटनाओं में 615 लोग मारे गए, जबकि 2,006 लोग घायल हुए।

एमपी विधानसभा मानसून सत्र : ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस विधायकों का प्रदर्शन

कहा-गिरगिट जैसे रंग बदल रही सरकार; भाजपा विधायक बोले- कमलनाथ को कौन रोक रहा

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। वे हाथों में तख्तियां और खिलौने वाले गिरगिट लेकर पहुंचे। गांधी प्रतिमा के सामने नारेबाजी की। कांग्रेस विधायकों का कहना था कि सरकार अन्य पिछ?ा वर्ग (ओबीसी) को 27 फीसदी आरक्षण नहीं देना चाहती। वह बार-बार गिरगिट की तरह रंग बदल रही है। वहीं, सिरोंज से बीजेपी विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा- मुझे चिंता है कि कमलनाथ जी

को सदन में आने से कौन रोक रहा है? मुझे लगता है कि यह कांग्रेस की गुटबाजी और फूट का परिणाम है। सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूर्व विधायक राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह, रघुनाथ चौधरी, शंकर लाल मुन्नाखेड़ी, सरदार सुखदेव सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय कुमार रूपाणी, फिल्म अभिनेता मनोज कुमार, लोक कलाकार रामसहाय पांडे को श्रद्धांजलि दी। पहलगाम आतंकी हमले और अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

3 सरकारी विधेयक, अनुपूरक बजट आएगा

8 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा। सत्र के लिए कुल 3377 में से 2076 सवाल ऑनलाइन आए हैं जबकि ऑफलाइन सवालों की संख्या 1301 है। 226 ध्यानाकर्षण, अशासकीय ■ शेष पृष्ठ 6 पर

श्रीनगर में सेना ने चलाया ऑपरेशन महादेव

3 आतंकी ढेर, दावा-पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा की भी मौत

सेना का सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर/ए.। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के लिडवास में सेना ने सोमवार को 3 पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर कर दिया है। इसकी जानकारी इंडियन आर्मी की चिनार कॉर्प्स ने दी है। सेना ने बताया कि ऑपरेशन महादेव के तहत यह कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मारे गए आतंकियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल है। हालांकि सेना ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। भारतीय सेना मंगलवार को ऑपरेशन महादेव पर जानकारी दे सकती है। आतंकियों

के पास से अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन,एके-47, 17 राइफल ग्रेनेड मिले हैं। इनके अलावा और भी कई संदिग्ध सामान बरामद हुए हैं। आर्मी प्रवक्ता ने बताया कि आतंकियों की पहचान करने की कोशिश जारी है। आज शाम तक मीडिया को ऑपरेशन महादेव पर जानकारी दी जाएगी। इंडियन आर्मी के अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी के बाद सुबह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान दूर से दो बार गोलियां चलने की आवाज सुनी गई।

गरमा - गरम

मध्यप्रदेश में बाघ की दहाड़ बरकरार

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई पर विशेष

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मध्यप्रदेश के लिये विशेष महत्व रखता है। बाघों के अस्तित्व और संरक्षण के लिये प्रदेश में जो कार्य हुए है, उसके परिणाम स्वरूप आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बाघ मध्यप्रदेश में है, यह न सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि भारत के लिये भी गर्व की बात है। वर्ष 2022 में हुई बाघ गणना में भारत में करीब 3682 बाघ की पुष्टि हुई, जिसमें सर्वाधिक 785 बाघ मध्यप्रदेश में होना पाये गये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील पहल के परिणाम स्वरूप बाघों की संख्या में वृद्धि के लिये निरंतर प्रयास हो रहे हैं। बाघ रहवास वाले क्षेत्रों के सक्रिय प्रबंधन के फलस्वरूप बाघों की संख्या में भी

लगातार वृद्धि हो रही है। मध्यप्रदेश के कॉरिडोर उत्तर एवं दक्षिण भारत के बाघ रिजर्व से आपस में जुड़े हुए हैं। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उद्यानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन द्वारा जंगल से लगे गांवों का विस्थापन किया जाकर बहुत बड़ा भूभाग जैविक दवाब से मुक्त कराया गया है। संरक्षित क्षेत्रों से गांव के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गांवों को विस्थापित किया जा चुका है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का 90 प्रतिशत से अधिक कोर क्षेत्र भी जैविक दबाव से मुक्त हो चुका है। विस्थापन के बाद घांस विशेषज्ञों की मदद लेकर स्थानीय प्रजातियों के घास के मैदान विकसित किये गये हैं, जिससे शाकाहारी वन्य प्राणियों के लिये वर्षभर चारा उपलब्ध होता है। संरक्षित क्षेत्रों में रहवास विकास कार्यक्रम चलाया जाकर सक्रिय प्रबंधन से विगत वर्षों में अधिक चीतल की संख्या वाले क्षेत्र से कम संख्या वाले चीतल विहीन क्षेत्रों में सफलता से चीतलों को स्थानांतरित किया गया है। इस पहल से चीतल, जो कि बाघों का मुख्य भोजन है, उनकी संख्या में वृद्धि हुई है और पूरे भूभाग में चीतल की उपस्थिति पहले से अधिक हुई है।

राष्ट्रीय उद्यानों के प्रबंधन में मध्यप्रदेश शीर्ष पर

मध्यप्रदेश ने टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्र ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मलेशियाई पीएम ने की घोषणा- थाईलैंड-कंबोडिया में सीजफायर

बैंकॉक(आईएएनएस)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पिछले कई दिनों से जारी संघर्ष पर अब विराम लग गया है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोमवार को घोषणा की कि दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों ने तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति जता दी है। यह फैसला तब आया है जब मलेशिया ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी ताकि सीमा पर लगातार बिगड़ते हालात पर काबू पाया जा सके। अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह समझौता दोनों पक्षों द्वारा सीमा संघर्ष को शांतिपूर्वक सुलझाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। पिछले सप्ताह से शुरू हुए इस संघर्ष में थाईलैंड और कंबोडिया ने एक-दूसरे पर झड़प की शुरुआत करने के आरोप लगाए। इसके बाद दोनों पक्षों ने भारी तोपखाना और हवाई हमले तक कर डाले। मलयेशियाई पीएम की पहल पर हुए इस युद्धविराम से क्षेत्र में शांति बहाल होने की उम्मीद बढ़ी है। बता दें कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हमले में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचा है। इससे पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार को एक भीषण गोलीबारी की घटना सामने आई, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दो महिलाएं घायल हुईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 61 वर्षीय हमलावर ने बाजार में अचानक गोलीबारी शुरू कर दी और फिर अंत में खुद को भी गोली मार ली।

उपग्रह खराब मौसम, बादलों और बारिश के बावजूद दिन-रात पृथ्वी की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम होगा

इसरो-नासा का संयुक्त उपग्रह 30 जुलाई को होगा लॉन्च, आपदा प्रबंधन में मददगार

■ **चंद्रयान-4 मिशन के प्रति भी उत्साह**

नई दिल्ली/आईएएनएस। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर एक अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह विकसित किया है, जिसे 30 जुलाई 2025 को लॉन्च किया जाएगा। इस उपग्रह को भारत में निर्मित जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा। यह उपग्रह खराब मौसम, बादलों और बारिश के बावजूद दिन-रात पृथ्वी की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम होगा। इसका उपयोग भूस्खलन, प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की निगरानी के लिए किया जाएगा।

सूर्य से जुड़े अहम डेटा इसरो को भेजे

इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने चेन्नई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में बताया कि यह उपग्रह केवल भारत और अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए उपयोगी होगा।

उन्होंने बताया कि इसरो फिलहाल 55 उपग्रहों का संचालन कर रहा है और आने वाले चार वर्षों में इन्हें तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित करने की योजना है। नारायणन ने सूर्य के अध्ययन के लिए भेजे गए आदित्य एल1 मिशन की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह उपग्रह 26 जनवरी को 1.5 किलोग्राम वजन के साथ लॉन्च किया गया था और इसने सूर्य से जुड़े अहम डेटा इसरो को भेजे हैं, जिनका वैज्ञानिक विश्लेषण जारी है।

चंद्रयान-4 मिशन के प्रति भी उत्साह

इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-4 मिशन के प्रति भी उत्साह जताया। यह मिशन चंद्रमा की सतह से नमूने लाने के लिए होगा और इसरो इसे पूरी तरह सफल बनाने को प्रतिबद्ध है। इसके बाद चंद्रयान-5 मिशन भारत और जापान का संयुक्त प्रोजेक्ट होगा, जो चंद्रमा की सतह पर 100 दिनों तक काम करेगा।

श्रीहरिकोटा में पहला प्रक्षेपण

मानव मिशन की तैयारियों पर बात करते हुए नारायणन ने बताया कि इस साल दिसंबर में एक मानवरहित मिशन लॉन्च किया जाएगा। अगर यह सफल होता है, तो अगले साल दो और मानवरहित मिशन भेजे जाएंगे। प्रधानमंत्री की ओर से घोषित योजना के अनुसार, मार्च 2027 में भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन लॉन्च किया जाएगा, जिसके लिए श्रीहरिकोटा में पहला प्रक्षेपण वाहन तैयार किया जा रहा है।

■ न्यूज गैलरी

श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : धामी

श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करते हुए चरणबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

देहरादून (आईएएनएस)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों हरिद्वार स्थित मनसा देवी, चंडी देवी मंदिर, टनकपुर स्थित पूर्णागिरि धाम, नैनीताल के कैंची धाम, अल्मोड़ा के जागेश्वर मंदिर, पौड़ी स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर सहित अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि इन मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालु पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने और अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों मंडलों के आयुक्तों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए। इस समिति में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री धामी ने विशेष रूप से मनसा देवी मंदिर परिसर और अन्य प्रमुख मंदिर परिसरों के सुनियोजित विकास, धारणा क्षमता में वृद्धि और व्यवस्थित दुकान प्रबंधन पर बल देते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को सुदृढ़, सुव्यवस्थित और सुगम बनाया जाए।

केंद्र सरकार लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही

बिहार में एसआईआर के जरिए वोटिंग का अधिकार छीनने की साजिश : खड़गे

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। सोमवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद परिसर में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडी अलायंस के कई बड़े नेता और सांसद शामिल हुए।

कमजोर वर्गों से वोटिंग का अधिकार छीनना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विरोध-प्रदर्शन से जुड़ा एक वीडियो शेयर करते हुए खड़गे ने पोस्ट में लिखा, संसद में इंडी गठबंधन जनता के अधिकारों की आवाज उठाता रहेगा। पूरे देश में एसआईआर लागू करवाकर एक साजिश के तहत कमजोर वर्गों से वोटिंग का अधिकार छीनना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लोकतंत्र और संविधान पर हम आरएसएस-भाजपा की मनुवादी मानसिकता हावी नहीं होने देंगे।

मतदाता सूची को शुद्ध करने जरूरी कदम

उल्लेखनीय है कि एसआईआर को लेकर जारी सियासी संग्राम के बीच विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए एक वैध और जरूरी कदम है। आयोग के हलफनामे के अनुसार, इस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के 1.5 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंटों को शामिल किया गया था।

एसआईआर लोकतंत्र पर सीधा प्रहार

यह विरोध-प्रदर्शन संसद के मकर द्वार के पास आयोजित किया गया, जहां विपक्षी नेता एक बड़ा बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बैनर पर लिखा था- 'एसआईआर- अटैक ऑन डेमोक्रेसी'। यानी एसआईआर लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है। केंद्र सरकार लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एसआईआर के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एकतरफा और पक्षपातपूर्ण तरीके से किया जा रहा है, जिससे निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। विपक्षी सांसदों ने यह भी मांग की कि एसआईआर जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा कराई जाए।

सुप्रीम कोर्ट में 'श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन अध्यादेश 2025' को चुनौती

■ **सीजेआई करेंगे सुनवाई बेंच का फैसला**

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मथुरा के वृंदावन में स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति ने यूपी सरकार के अध्यादेश 'श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025' को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सीजेआई अब यह तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई कौन सी बेंच करेगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष भेजने का निर्देश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में बताया गया कि इससे जुड़ी एक और याचिका दूसरी बेंच में लंबित है। इसके चलते कोर्ट ने मामले को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष भेजने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीजेआई अब यह तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई कौन सी बेंच करेगी।

धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप

दरअसल, श्री बांके बिहारी मंदिर के वर्तमान प्रबंधन ने उत्तर प्रदेश सरकार के 'श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025' की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अध्यादेश के तहत मंदिर का प्रशासनिक नियंत्रण एक नवगठित ट्रस्ट को सौंपा गया है, जिसे याचिकाकर्ताओं ने मंदिर के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया है।

याचिका में कहा गया है कि यह मंदिर के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से 10 मिनट पहले शर्तें लाना ठीक नहीं : रिजिजू

नई दिल्ली (आईएएनएस)। लोकसभा में सोमवार को एक बार फिर विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया। दोपहर 12 बजे सदन में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा होनी थी, लेकिन विपक्षी दलों ने संसद की कार्यवाही शुरू होते ही जमकर नारेबाजी की और हंगामा काटा, जिसके बाद संसद की कार्यवाही को 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। वहीं ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होने से पहले ही लोकसभा स्थगित होने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया।

एसआई पर चर्चा की मांग

उन्होंने कहा कि आज सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करेंगे। 16 घंटे का समय दिया गया था, ऐसे में अचानक चर्चा से 10 मिनट पहले शर्तें लाना ठीक नहीं है। किरेन रिजिजू ने विपक्ष से सवाल किया कि आखिर वह ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से क्यों भाग रहे हैं? केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बातचीत में कहा, सदन में सब तैयार थे, सभी दलों का मत था कि आज ऑपरेशन सिंदूर पर 12:15 बजे चर्चा शुरू होनी थी, उससे 10 मिनट पहले विपक्षी दलों ने एक नया मुद्दा उठाया कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से पहले सरकार एक लाइन ऑफकमिटमेंट दे कि इसके बाद एसआइ पर चर्चा होगी, संसद ऐसे नहीं चलती।

10 मिनट पहले शर्तें लाना ठीक नहीं

सदन में एक-दूसरे की बात सुनकर और फिर बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक करके फैसला लिया जाता है, जब ये तय हुआ था कि आज सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करेंगे और 16 घंटे का समय दिया गया था, तो अचानक चर्चा से 10 मिनट पहले शर्तें लाना ठीक नहीं है। कांग्रेस और विपक्षी दल अब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से क्यों भाग रहे हैं?

आपने दो महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। हमने पहले दिन से ही कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार है। अब आप ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से भागने के लिए रास्ता ढूंढ रहे है ये ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, कुछ देर पहले विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर से चर्चा से भागने का नाटक किया है, वह ठीक नहीं है। जब संसद दोबारा शुरू होगी तो जो शर्तें लेकर वे आए हैं वह नहीं चलेंगी। (ऑपरेशन सिंदूर) पर रक्षा मंत्री शुरुआत में प्रस्ताव रखेंगे और जब रक्षा मंत्री चर्चा शुरू करें तो उनकी बात सुनें और विपक्षी दल पाकिस्तान की भाषा न बोलें।

स्वच्छ ऊर्जा ने बढ़ाया सशक्तिकरण : पुरी

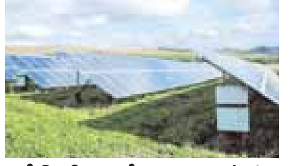

नई दिल्ली/आईएएनएस। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल से महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत अब तक 10.33 करोड़ महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जिससे उन्हें रसोई के धुएं से मुक्ति और गरिमा से भरा जीवन मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अब तक देश में 1.51 करोड़ घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस की सुविधा पहुंच चुकी है। वहीं सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क अब भारत के 96% भूभाग और 99% जनसंख्या को कवर करता है।

भारत अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर

उन्होंने कहा आज की भारतीय महिला केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि देश के ऊर्जा भविष्य को आकार देने वाली नेतृत्वकर्ता बन चुकी है। पुरी ने यह भी बताया कि भारत अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है। सरकार ने 99% 'नो-गो' क्षेत्रों को हरी झंडी दे दी है और 10 लाख वर्ग किलोमीटर अपतटीय क्षेत्र तेल और गैस खोज के लिए खोल दिया गया है। ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम के तहत घरेलू और विदेशी कंपनियों की भागीदारी बढ़ी है और ओएएलपी राउंड-10 निवेश के लिए नए मानदंड तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की ये पहलें न केवल स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं।

गाजा में भुखमरी, ट्रंप बोले- तस्वीरें दर्दनाक, लेकिन 'वो' खाना हड़प रहे

एडिनबर्ग (आईएएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को गाजा पट्टी में मानवीय संकट और भुखमरी से संबंधित मौतों की खबरों पर अपनी राय पेश की। ट्रंप ने अफसोस जताया कि अमेरिका ने गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) को कथित तौर पर 6 करोड़ डॉलर का दान दिया, लेकिन 'किसी अन्य देश ने कुछ नहीं दिया।' गाजा में बच्चे भुखमरी से मर रहे हैं। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। स्कॉटलैंड की चार दिवसीय यात्रा पर ट्रंप से इस बारे में एक पत्रकार ने पूछा, तो उन्होंने इन तस्वीरों को 'भयानक' बताया, लेकिन ट्रंप ने तुरंत अपनी बात बदलते हुए कहा, वो लोग खाना चुरा (हड़प) रहे हैं।

भले ही ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनका इशारा किस ओर था, लेकिन माना जा रहा है कि इशारा संभवतः हमास की ओर था, जिस पर इजरायल अक्सर अपने फायदे के लिए सहायता सामग्री चुराने का आरोप लगाता रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ऐसा करने पर आपको थोड़ा बुरा लगता है, और आप जानते हैं, दूसरे देश भी कुछ नहीं दे रहे। हमारे अलावा किसी ने कुछ नहीं दिया। हम बहुत सारा पैसा, बहुत सारा खाना, बहुत सारी चीजें दे रहे हैं। सच कहूं तो मुझे लगता है कि अगर हम वहां नहीं होते, तो लोग भूख से मर जाते।

नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायल ने 'अंतरराष्ट्रीय कानून की ओर से निर्धारित मात्रा' में सहायता को गाजा पट्टी में प्रवेश करने की अनुमति दी, जो उसके अनुसार अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से लगभग 1.9 मिलियन टन राहत सामग्री के बराबर है।

गाजा में कोई भुखमरी नहीं है: नेतन्याहू

भुखमरी से संबंधित मौतों की खबरों पर व्यापक आलोचना के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि अगर वह न होते तो हालात और बदतर होते। शनिवार रात गाजा में सहायता प्रणाली में कई बदलावों को मंजूरी देने के साथ ही उन्होंने कहा, अगर वह न होते, तो गाजा के लोग बहुत पहले ही भूख से मर गए होते। ट्रंप की सलाहकार और प्रमुख इवेंजेलिकल पादरी, पाउला व्हाइट की ओर से आयोजित यरुशलम में एक ईसाई सम्मेलन में नेतन्याहू ने कहा, गाजा में कोई भुखमरी नहीं है।

इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, इजरायल ने युद्ध की पूरी अवधि के दौरान मानवीय सहायता को सक्षम किया, वर्ना गाजा में कोई नहीं होता।

सुविधा बढ़ाई जाए... ए, बी, सी, डी और ई से होती है, जिनके फैलने के तरीके, गंभीरता और इलाज अलग-अलग

हेपेटाइटिस के खिलाफ मजबूती से आगे बढ़ रहा भारत : नड्डा

■ **यह बीमारी पांच प्रकार के वायरस -ए, बी, सी, डी और ई से होती है**

नई दिल्ली/आईएएनएस। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आज सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के मौके पर कहा कि भारत इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के जरिए देशभर में लोगों की जान बचाने और बीमारी को खत्म करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन लोगों में हेपेटाइटिस की जानकारी और उसकी रोकथाम के उपायों को लेकर जागरूकता फैलाने का बड़ा अवसर है।

गंभीरता और इलाज अलग-अलग

हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है और यह गंभीर लिवर रोग या कैंसर का रूप ले सकती है। यह बीमारी पांच प्रकार के वायरस -ए, बी, सी, डी और ई से होती है, जिनके फैलने के तरीके, गंभीरता और इलाज अलग-अलग होते हैं। विश्व हेपेटाइटिस दिवस समाज में फैले कलंक, जानकारी की कमी और इलाज तक सीमित पहुंच जैसी समस्याओं को दूर करने की जरूरत को उजागर करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय पर जांच और इलाज की सुविधा बढ़ाई जाए, तो हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। वैश्विक लक्ष्य है कि साल 2030 तक हेपेटाइटिस को खत्म किया जाए, जिसके लिए भारत को जांच और इलाज की पहुंच को और मजबूत करना होगा।

जागरूकता और समय पर जांच व इलाज को प्राथमिकता

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत हेपेटाइटिस बी और सी मामलों में चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। साल 2022 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2.98 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और 55 लाख लोग हेपेटाइटिस सी से पीड़ित थे। यह संख्या वैश्विक हेपेटाइटिस मामलों का लगभग 11.6% है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि देश में हेपेटाइटिस के खिलाफ लड़ाई के लिए जागरूकता और समय पर जांच व इलाज को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमें नए तरीकों से लोगों को इसके रोकथाम के उपायों की जानकारी देनी होगी। भारत का राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम जांच, इलाज और बचाव की सुविधा मुहैया कराकर इस लड़ाई को मजबूती दे रहा है।

हेपेटाइटिस लेट्स ब्रेक इट डाउन

गौरतलब है कि हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जानकारी बढ़ाना और इससे निपटने के लिए रोकथाम, जांच और इलाज के प्रयासों को मजबूत करना होता है। जेपी नड्डा ने इस साल की थीम 'हेपेटाइटिस : लेट्स ब्रेक इट डाउन' पर कहा कि यह थीम उन सामाजिक रुकावटों को खत्म करने पर जोर देती है, जो इस बीमारी के उन्मूलन में बाधा बनती हैं।

कर्नाटक: एक साल में 981 किसानों ने की आत्महत्या

बेंगलुरु (आईएएनएस)। कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 से जुलाई 2025 के बीच राज्य में 981 किसानों ने आत्महत्या की। 1 साल 4 महीने के वक्त में इतनी खुदकुशी किसानों की दयनीय स्थिति को उजागर करती है। यह स्थिति राज्य में कृषि संकट और अपर्याप्त समर्थन की गंभीर तस्वीर पेश करती है। हवेरी जिला इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां 128 किसानों ने आत्महत्या की। इसके बाद मैसूरु (73), धारवाड़ (72), और बेलगावी (71) का नंबर आता है। वहीं, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, उडुपी, और कोलार जिलों में कोई भी किसान आत्महत्या दर्ज नहीं हुई।

अन्य जिलों में हासन (47), बीदर (45), शिवमोग्गा (45), गदग (44), यदगिर (43), दावणगेरे (42), चिक्कमगलूरु (39), मांड्या (39), बागलकोट (35), चित्रदुर्गा (34), विजयपुरा (27), रायचूर (25), कोप्पल (25), तुमकुरु (17), उत्तर कन्नड़ (14), दक्षिण कन्नड़ (1), कोडगु (1), बल्लारी (1), और चामराजनगर (1) में आत्महत्याएं दर्ज की गईं।

प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 70 प्रतिशत हुआ जल भराव

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने प्रदेश में वर्षा और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की

भोपाल/नवप्रदेश। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में बारिश की स्थिति अच्छी है. इस मानसून में मध्यप्रदेश में आज दिनांक तक 645.20 मि.मी. वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो प्रदेश की औसत वर्षा से 54प्रतिशत अधिक है। राज्य के पूर्वी हिस्से में औसत से 66प्रतिशत अधिक एवं पश्चिमी हिस्से में औसत से 44प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। विगत वर्ष आज की स्थिति में मध्यप्रदेश में वास्तविक वर्षा 447.40 मिलीमीटर दर्ज हुई थी, जो कि प्रदेश की औसत वर्षा से 7प्रतिशत अधिक थी। प्रदेश के प्रमुख बांधों में जल भराव की स्थिति भी अच्छी है। विगत वर्ष आज दिनांक की स्थिति में प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 43.67प्रतिशत औसत जल भराव था, जबकि इस वर्षाकाल में अच्छी बारिश के चलते प्रदेश के प्रमुख बांधों में 69.45प्रतिशत जलभराव हो चुका है। प्रदेश के 22 बांधों के जल द्वार खोले जा चुके हैं। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने सोमवार को मुख्य अभियंता बोधी कार्यालय स्थित राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्रदेश में वर्षा और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्ण सजगता और सक्रियता से कार्य करें

बैठक में मंत्री श्री सिलावट में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी बांधों एवं जलाशयों की निरंतर निगरानी की जाए और सभी सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं। विभाग के अधिकारी, जिला प्रशासन एवं सभी संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करें। सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष प्रभावी रूप से कार्य करें और अतिवृष्टि एवं बाढ़ की जानकारी राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष को भेजते रहें। बांधों से जल छोड़ने की जानकारी सभी संबंधियों को दी जाए और विशेष रूप से ढिंढोरी पिटवाकर व अन्य साधनों से आमजन को समय से पूर्व उपलब्ध कराई जाए। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि मानसून के इस चुनौती पूर्ण समय में पूर्ण सजगता और सक्रियता के साथ कार्य करें, जिससे प्रदेश में कोई भी अप्रत्याशित घटना ना हो और ना ही किसी प्रकार से जान-माल का नुकसान हो। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के सभी प्रमुख बेसिन में बांधों के जल ग्रहण क्षेत्र में मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी वर्षा के पूर्वानुमान, पानी की आवक और बांधों के गवर्निंग लेवल के दृष्टिगत गेटों का संचालन किया जा रहा है, जिससे बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है। रिजर्वायर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम में चिन्हित प्रदेश के 286 प्रमुख बांधों में से 86 बांधों में 90प्रतिशत से अधिक, 31 बांधों में 75प्रतिशत से 90प्रतिशत तक तथा 40 बांधों में 50प्रतिशत से 75प्रतिशत तक जल भराव हो चुका है. इसी प्रकार 59 बांधों में 25 प्रतिशत से 50प्रतिशत तक, 35 बांधों में 10प्रतिशत से 25प्रतिशत तक तथा 35 बांधों में 10प्रतिशत से कम जल भरा हुआ है। नर्मदा बेसिन अंतर्गत प्रमुख बांधों के जलग्रहण क्षेत्र में औसत से अधिक वर्षा दर्ज होने से लगभग सभी बाँधों में जल भराव की स्थिति सामान्य से अधिक है। जबलपुर जिले में बरगी बांध 78.36 प्रतिशत, रायसेन जिले में बारना 72 प्रतिशत, नर्मदापुरम में तवा बांध 79.47 प्रतिशत, सीहोर में कोलार बांध 56 प्रतिशत, खंडवा में इंदिरा सागर बांध 76 प्रतिशत एवं ओंकारेश्वर बांध 43.47 प्रतिशत भर चुका है। प्रदेश के गंगा बेसिन अंतर्गत निर्मित बड़ी परियोजनाओं में शहडोल स्थित बाणसागर में 81.18 प्रतिशत एवं सीधी स्थित महान बांध में 81.24 प्रतिशत जलभराव हो चुका है। बाणसागर बॉध के जलग्रहण क्षेत्र में गत दिनों भारी वर्षा दर्ज की गई। वैनगंगा बेसिन अंतर्गत प्रदेश के प्रमुख बांधो में पेंच छिंदवाड़ा में 53.03 प्रतिशत, संजय सरोवर सिवनी में 80.31 प्रतिशत एवं बालाघाट स्थित राजीव सागर में 30.36 प्रतिशत जल भराव है। माही एवं ताप्ती बेसिन में प्रमुख बांध पारसडोह 54.41 प्रतिशत, माही मेन और माही सब्सिडरी बांध में क्रमशः 40.77 प्रतिशत एवं 17.55 प्रतिशत जल भराव हुआ है। बेतवा बेसिन बेसिन अंतर्गत प्रमुख बांधो में भोपाल जिले में स्थित केरवा एवं कलियासोत बांध में क्रमशः 18.83 एवं 65.38 प्रतिशत जल भराव की स्थिति है।

न्यूज गैलरी

चाय की दुकान पर युवक को घेरकर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला, हुई मौत; तीन आरोपी नामजद

भोपाल/नवप्रदेश। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन घटना के असल कारणों का खुलासा आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही किया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर दी हैं। भोपाल के कोलार थाना क्षेत्र में रविवार रात उस समय सनसनी फैल गई, जब तीन बदमाशों ने एक युवक की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। यह घटना कोलार रोड स्थित बंजारी चौराहे पर रात करीब 11 बजे हुई। मृतक की पहचान 23 वर्षीय शुभम यादव के रूप में हुई है, जो मूलतः जिला सीहोर के ग्राम नोनीखेड़ी का रहने वाला था और वर्तमान में गौरव नगर, कोलार रोड में रहकर ड्रायवरी करता था। जानकारी के अनुसार, शुभम यादव का 22 जुलाई को कुछ युवकों से मामूली विवाद हुआ था, जो बाद में पुरानी रंजिश में तब्दील हो गया। रविवार रात वह बंजारी चौराहे स्थित चाय दुकान पर पहुंचा ही था कि तीन युवकों ने उसे घेर लिया और चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पेट और आंख के पास गंभीर चोटें लगने से शुभम लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ा दम

घटना की सूचना मिलते ही शुभम का भाई नरेंद्र यादव मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल ले गया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद शुभम को मृत घोषित कर दिया। नरेंद्र ने पुलिस को बताया कि अस्पताल ले जाते वक्त शुभम होश में था और उसने तीन हमलावरों भूपेंद्र, गोलू और आकाश के नाम बताए थे। कोलार थाना पुलिस ने नरेंद्र यादव की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन घटना के असल कारणों का खुलासा आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही किया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर दी हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

इलाके में फैली दहशत, बढ़ी पुलिस गश्त

घटना के बाद से कोलार क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वारदात के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा गया। पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल की तैनाती कर दी है और बंजारी चौराहे सहित आसपास के क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्त बढ़ा दी गई है।

जनजातीय संग्रहालय में होगा निदा फाजली को समर्पित याद ए रफ्तगाँ

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिसर और संस्कृति विभाग द्वारा प्रख्यात शायर पदमश्री निदा फाजली को समर्पित याद ए रफ्तगाँ संगोष्ठी का 29 जुलाई को सायं 5-30 बजे जनजातीय संग्रहालय श्यामला हिल्स भोपाल में आयोजन होगा। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक और धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उर्दू अकादमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि कार्यक्रम में ÷मै निदा÷ निदा फाजली पर श्री अतुल गंगवार द्वारा सम्प्रेषण एवं श्री अदबी कॉकटेल द्वारा निर्मित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम 3 सत्रों पर आधारित होगा। आयोजन में मालती जोशी मुंबई, शकील आजमी मुंबई, अतुल पांडेय निदेशक, आलोक श्रीवास्तव दिल्ली सहभागिता करेंगे। अंतिम सत्र में काव्य पाठ का आयोजन होगा जिसमें शकील आजमी मुंबई एवं आलोक श्रीवास्तव दिल्ली अपना कलाम पेश करेंगे।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 ने लगातार दूसरी बार बनाया 300 दिन विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता ने 210 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट को लगातार 300 दिन तक संचालित करने में सफलता हासिल की है। यूनिट ने अपनी स्थापना के बाद दूसरी बार 300 दिन विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। इस यूनिट ने दूसरी बार 1 अक्टूबर 2024 से 28 जुलाई 2025 तक 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। इससे पूर्व इस यूनिट ने 27 अगस्त 2023 से 22 जून 2024 तक 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड बनाया था। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि समर्पण, कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता से लक्ष्य अर्जित करने का यह सर्वश्रेष्ठ व अनुकरणीय उदाहरण है।

सारनी की यूनिट नंबर 10 के नाम दर्ज है सर्वाधिक 305 दिन सतत् विद्युत उत्पादन का रिकार्ड

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट नंबर 10 के खाते में सर्वाधिक 305 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड दर्ज है। इस यूनिट ने यह उपलब्धि वित्तीय वर्ष 2022-23 में हासिल की थी।

विभिन्न मापदंडों में भी मिली उपलब्धि

विद्युत गृह चचाई की यूनिट ने 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान अर्जित कर इसी अवधि में विभिन्न मापदंडों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। यूनिट ने 99.52 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 97.33 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व 9.08 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन

नाराज छात्र व कर्मचारियों का राजधानी में 3 जगह प्रदर्शन

नौकरी मिलने तक एएनएम आमरण अनशन पर, आउटसोर्स कर्मचारियों की 21000 रुपए वेतन की मांग

भोपाल/नवप्रदेश। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली से नाराज नर्सिंग छात्रों से लेकर एएनएम और आउटसोर्स कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन राजधानी के अलग-अलग स्थानों पर चल रहा है। एक तरफ जहां नर्सिंग छात्र संगठन का अंबेडकर पार्क में और मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का शाहजहानी पार्क में प्रदर्शन जारी है। वहीं, महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एएनएम मध्य प्रदेश की ममता हिरवे अपने साथियों के साथ 1250 परिसर में आमरण अनशन पर बैठी हैं।

10 मांगों को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का धरना

मध्य प्रदेश संविदा-आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आव्हान पर सोमवार को शाहजहानी पार्क में शाम 4 बजे तक आउटसोर्स और रोगी कल्याण समिति के स्वास्थ्य कर्मचारी धरना प्रदर्शन करेंगे। ये कर्मचारी शोषण प्रथा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और आउटसोर्स-रोगी कल्याण समिति कर्मचारियों के लिए नीति बनाने और न्यूनतम वेतन 21,000 रुपए तय करने समेत 10 सूत्रीय मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रदेश के 30 हजार से अधिक आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी, जिनमें सपोर्ट स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड आया-बॉय, ऑक्सीजन टेक्नीशियन, सुरक्षा कर्मी और सफाई कर्मी कई सालों से सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे हैं। सरकार ने 10 साल में भी उनके लिए ठोस नीति नहीं बनाई है। निजी आउटसोर्स एजेंसियां मनमर्जी से वेतन तय कर रही हैं, कई जिलों में 4-5 महीने से वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया।

संघ के मुख्य आरोप

आउटसोर्स कंपनियां और जिला अधिकारी वेतन में हर महीने करोड़ों रुपए का घोटाला कर रहे हैं।

कुशल और अर्द्ध-कुशल श्रमिक दर तय होने के बावजूद कर्मचारियों को केवल 60-70त वेतन दिया जा रहा है।

वेतन न मिलने से कर्मचारियों के परिवार आर्थिक संकट में हैं।

500 एएनएम अभ्यर्थियों का आमरण अनशन

मध्य प्रदेश की लगभग 500 महिला बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) अभ्यर्थी सोमवार से भोपाल के 1250 जेपी अस्पताल परिसर में आमरण अनशन पर बैठ गई हैं। इस आंदोलन का नेतृत्व ममता हिरवे कर रही हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि छह महीने पहले नौकरी मिलने के बाद बिना पूर्व सूचना उन्हें हटा दिया गया और नए नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए जा रहे। हिरवे ने कहा कि 5 जून 2025 को अभ्यर्थियों ने पांच दिवसीय धरना दिया था, जिसके बाद उप मुख्यमंत्री ने मौखिक आश्वासन दिया था कि सोमवार तक नियुक्ति आदेश जारी होंगे, लेकिन एक माह बीतने के बाद भी कोई आदेश जारी नहीं हुआ।

रोग की पहचान, फॉलोअप और समय पर सही उपचार महत्वपूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

पीडियाट्रिक कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए 'कैनकिड्स' संस्था से सहयोग पर हुआ विचार-विमर्श

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रोग की पहचान, उसका फॉलोअप और समय पर सही इलाज उपलब्ध होना, रोग के निदान के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं। सशक्तिकरण स्वास्थ्य तंत्र के लिए इन सभी घटकों पर आपसी समन्वय से कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कैंसर पीड़ित बच्चों को उन्नत इलाज और सामाजिक सहयोग की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय भोपाल में पीडियाट्रिक कैंसर के बेहतर प्रबंधन के लिए कैनकिड्स संस्था से सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार पीडियाट्रिक कैंसर की चुनौती से निपटने के लिए एकीकृत रणनीति पर कार्य करेगी, जिसमें शासन, विशेषज्ञ संस्थाएं और समाज की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। राज्य में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञों के बेहतर उपयोग के लिए हब-स्पोक्स और रेफरल पाथवे मॉडल को अनुमोदित कर चरणबद्ध रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। मानव संसाधन जैसे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सामाजिक सहयोग टीमों की क्षमता वृद्धि और प्रशिक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कैनकिड्स संस्था से इस सहयोग के लिए अपने सुझाव देने का आग्रह किया।

बैठक में पीडियाट्रिक कैंसर की देखरेख के लिए उपयुक्त अधोसंरचना के सृजन एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न विषयों पर विमर्श किया गया। सेवा प्रदाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए सामाजिक सहयोग सेवाओं को समाहित करने और सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गयी। उपचार, देखरेख और सहयोग के लिए प्रोटोकॉल आधारित थैरेपी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और नवीनतम उपचार पद्धतियों को अपनाने साथ ही बहु-केंद्रित अनुसंधान, डेटा संकलन, नवाचार और एकीकरण को प्रोत्साहन देने के सुझाव पर योजनाबद्ध कार्यवाही करने पर चर्चा हुई। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं कैनकिड्स संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

भोपाल/नवप्रदेश। जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, भोपाल में तीन दिवसीय ÷आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला÷ संपन्न हुई। कार्यशाला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के विभिन्न जिलों से आए 52 अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का आयोजन राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग द्वारा किया गया। कार्यशाला में संस्थान के निदेशक सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि मानव का मूल स्वभाव आनंदित रहना है। जब व्यक्ति आत्मचिंतन करता है, संबंधों की गहराई को समझता है और आंतरिक शांति की ओर बढ़ता है, तभी सच्चे आनंद की अनुभूति होती है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने आत्म-निरीक्षण, जीवन मूल्य, कृतज्ञता, क्षमा, संबंध सुधार तथा सेवा भावना जैसे विषयों पर केंद्रित सत्रों में भाग लिया। कार्यशाला के संचालन में राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले, मनीष परमार, श्रीमती यमुना विश्वकर्मा, श्रीमती मनीषा कांबले, श्रीमती मीनू पांडे, प्रदीप महतो, मुकेश आर्य तथा अजीत महतो प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से जीवन में नई दृष्टि एवं संतुलन आएगा। यह कार्यशाला न केवल कर्मचारियों के मानसिक एवं भावनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक प्रयास है, बल्कि शासन स्तर पर सकारात्मक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में स्वयं की त्रुटियों पर ध्यान

आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाकर ECCE के लक्ष्यों की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

मैदानी अनुभवों से बनेगी बाल्यावस्था शिक्षा की ठोस कार्ययोजना : रश्मि अरुण शमी

भोपाल/नवप्रदेश। अपर मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने कहा है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) की प्रभावी कार्ययोजना तब ही संभव है जब हम विभागीय मैदानी अमले के अनुभवों और संसाधनों का व्यावहारिक उपयोग करें। आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाना प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में निर्णायक कदम है। श्रीमती शमी ने यह भी रेखांकित किया कि ECCE नीति की सफलता का आधार उसके क्रियान्वयन में लगे अमले की सहभागिता है। बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में जमीनी अनुभवों का समावेश आगामी कार्ययोजना की दिशा तय करेगा। अपर मुख्य सचिव श्रीमती शमी रविवार को मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत Human Capital for Viksit Bharat विषय की उप-थीम ECCE: Laying the Foundation पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रविवार को भोपाल के होटल लेक व्यू रेसीडेंसी में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी।

2047 के विकसित भारत की नींव ECCE में: आयुक्त महिला बाल विकास सूफिया

आयुक्त महिला एवं बाल विकास, श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने कहा कि श्वष्टष्टश्व विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की निरंतर दक्षता विकास को आवश्यक बताते हुए कहा कि आज के आंगनवाड़ी केंद्रों में पल रहे बच्चे ही कल की निपुण मानव पूंजी हैं। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत द्व-त्लश्वञ्ज ऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का नियमित उपयोग परियोजना अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को अद्यतन रखने में सहायक होगा।

समूह चर्चा के माध्यम से सुझावों का संकलन

कार्यशाला में प्रतिभागियों को पाँच समूहों में बाँटकर पाँच प्रमुख विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इन समूहों से प्राप्त सुझावों का समेकन कर श्वष्टष्टश्व को सशक्त बनाने हेतु एक व्यावहारिक एवं ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

कार्यशाला में संभागीय संयुक्त संचालक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि, संचालनालय के अधिकारी एवं श्वष्टष्टश्व के विषय-विशेषज्ञों ने सक्रिय भागीदारी की।

मध्यप्रदेश में पर्यवेक्षक भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में

चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की तिथियाँ घोषित

भोपाल में 4 से 7 अगस्त तक होगा दस्तावेज़ परीक्षण कार्यक्रम

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 की मेरिट सूची अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। महिला एवं बाल विकास द्वारा चयनित प्रतिभागियों के मूल दस्तावेजों का परीक्षण 4 से 7 अगस्त तक भोपाल स्थित संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, विजया राजे वात्सल्य भवन, अरेरा हिल्स में किया जाएगा।

दस्तावेज़ सत्यापन कार्यक्रम को दो भागों ङ्क सीमित सीधी भर्ती और खुली सीधी भर्ती के तहत विभाजित किया गया है, जिसमें कुल 560 चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है। सीमित सीधी भर्ती के अंतर्गत दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 4 और 5 अगस्त को होगी। 4 अगस्त को पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनारक्षित श्रेणी के 87 अभ्यर्थियों का और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अनुसूचित जाति वर्ग के 54 अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त को पूर्वाह्न में 69 अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों का सत्यापन होगा, जबकि अपराह्न में 47 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और 32 ई.डब्ल्यू.एस. (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ परीक्षण किया जाएगा। इस श्रेणी में कुल 289 अभ्यर्थी शामिल हैं। खुली सीधी भर्ती के तहत दस्तावेज़ परीक्षण 6 और 7 अगस्त को किया जाएगा। 6 अगस्त को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक अनारक्षित वर्ग के 87 तथा दोपहर

सुविचार

ये जिंदगी है जनाब जो हमे मंजिल का लालच दिखाकर पूरी उम्र सफर करने पर मजबूर करती है। - अज्ञात

विपक्ष की पाकिस्तान को क्लीन चिट

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर चलाकर उसे करारा सबक सिखाया था। अब संसद के मानसून सत्र में इस पर चर्चा के लिए समय तय कर दिया गया है किन्तु संसद के सत्र में इस पर चर्चा शुरू होने से पहले ही विपक्षी नेताओं ने सदन से बाहर इस पर विवादास्पद बयानबाजी करके एक तरह से पाकिस्तान को क्लीन चिट देनी शुरू भी कर दी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सवाल किया है कि इस घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादी पाकिस्तान से ही आये थे इसका सरकार ने कोई सबूत नहीं दिया है। पी.चिदंबरम सबूत मांगकर पाकिस्तान की ही भाषा बोल रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अभी तक यह बात नहीं कबूल की है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे उसका कोई हाथ है। पाकिस्तान तो हर आतंकी हमले से इंकार करता रहा है। यदि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ नहीं होता तो भारत उसके खिलाफ बड़ी सैन्य कार्यवाही क्यों करता और उसके आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूत करके लगभग सौ आतंकवादियों को जहन्नूम रसीद क्यों करता। पी.चिदंबरम की तरह ही कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भी सवाल उठाया है कि आतंकवादी कौन थे कहां से आये थे और कहां चले गये। इसका सरकार जवाब दे। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तो और भी बड़ा बोल बोला है उनका कहना है कि क्या आतंकवादी ऐयरलिफ्ट कर दिये गये हैं। समाजवादी पार्टी के सुप्रिमो अखिलेश यादव ने भी इसी तरह का बयान दिया है। इससे स्पष्ट है कि विपक्ष संसद के मानसून सत्र में इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान अपना अलग ऐजेंडा चलायगा। जबकि सरकार चाहती है कि इस पर संसद में सार्थक चर्चा हो। किन्तु आज संसद शुरू होते ही फिर से विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया और उनके हंगामें के कारण प्रश्नकाल स्थगित करना पड़ा इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गहरी नाराजगी जताई और कहा है कि जब सरकार आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार है और इसके लिए लोकसभा में 16 घंटे का समय निर्धारित कर दिया गया है तो इसके बाद भी विपक्ष हंगामा करके सदन की कार्यवाही में अवरोध उत्पन्न क्यों कर रहा है। विपक्षी नेताओं के इन बयानों पर पलटवार करते हुए भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हमेश पाकिस्तान को बचाती रही है। बहरहाल बेहतर होगा कि सत्ता पक्ष और आरोप प्रत्यारोप से परे जाकर इस मुद्दे पर सार्थक बहस करें।

ड्रॉ मैच में टीम इंडिया के आत्मबल की जीत

भारत और इंग्लैंड के बीच हुआ चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया किन्तु इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने जो धैर्य दिखाया और दो दिनों तक बल्लेबाजी करके इंग्लैंड के गेंदबाजों के छक्के छुड़ा दिये वह काबिले तारीफ है। दूसरे शब्दों में कहें तो इस ड्रॉ मैच में टीम इंडिया के आत्मबल की जीत हुई है। चौथे दिन जब टीम इंडिया दूसरी पारी खेलने के लिए मैदान में उतरी थी और शून्य स्कोर पर भी टीम इंडिया के दो बल्लेबाज पवेलियन लौट गये थे तब इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर जश्न मनाना शुरू कर दिया था और वे यह मानकर चल रहे थे कि चौथे दिन ही इंग्लैंड के गेंदबाज टीम इंडिया को ऑल आउट करके एक दिन शेष रहते भारतीय टीम को एक पारी से हरा देंगे। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की धडकने भी तेज हो गई थी और उन्हें भी यह लग रहा था कि भारत यह मैच हारकर सीरिज हार जाएगा। क्योंकि इंग्लैंड पहले ही 2-1 से आगे है। किन्तु शुभमन गिल और केएल राहुल ने 188 रनों की भागरीदारी कर टेस्ट में भारत की वापसी करा दी। शुभमन गिल ने शानदार शतक जड़ा और केएल राहुल ने अर्धशतक बनाया। उनके आउट होने के बाद पांचवें दिन रविन्द्र जडेजा और वाशिंटन सुंदर ने 203 रनों की अविजित साझेदारी की और दोनों ने ही शतक जड़कर इंग्लैंड के मनसूबों पर पानी फेर दिया। रविन्द्र जडेजा का प्रदर्शन तो पूरी सीरिज में शानदार रहा है। पिछले पांच मैचों में उन्होंने चार अर्ध शतक और एक शतक लगाया है। कुल मिलाकर टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाकर मैच ड्रॉ कराया और पांचवें और आखरी टेस्ट मैच में टी इंडिया के जीत की संभावना जगाई है यदि भारत पांचवां मैच जीत जाएगा तो यह सीरिज 2-2 से बरारब हो सकती है।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू श्री ऋतेश्वर

◆तुम्हारी दृढ़ निष्ठा गुरुगोविंद के चरणों में हो और इच्छा हो जाए कि ठाकुर को हीरे की पालकी पर बैठाना है तो बैठा दोगे।

◆ प्रेम 'स्वतंत्रता' देता है, प्रेम 'बाँधता' नहीं है। सच्चा प्रेम कभी किसी को बांधता नहीं, पंख देता उड़ने का ! उड़ो !!

◆ अज्ञानता पाप है, मत रहो अज्ञानी! पाप दुख का कारण है, मत रहो दुखी !

अज्ञानता का समूल नष्ट करने के लिए करोड़ों सूर्य के समान अज्ञान तिमिर को नष्ट करने के लिए गुरु की वाणी का पालन ही काफी है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1655 नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में विश्व का सबसे बड़ा टाउनहाल खुला। 1786 पहला अख़बार पश्चिम के एललेघनी, पिट्स गैजेट में प्रकाशित हुआ। 1899 न्यूयॉर्क में पहली मोटरसाइकिल रेस का आयोजन हुआ। 1899 पहले हेग कन्वेंशन, पहले औपचारिक बयानों के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून में युद्ध और युद्ध अपराधों के कानूनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। 1993 इजरायल कोर्ट ऑफ अपील ने जॉन डेमजॉजुक के विश्वास को (5-0) पलट दिया। इसने कहा है कि वह पर्याप्त प्रमाण नहीं है, एकाग्रता शिविर इवान द टेरिबल। 1957 संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का गठन किया। 1958 अमेरिकी कांग्रेस ने अपनी अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की स्थापना के लिए विधेयक पास किया। 2013 फ्रांस के कांस के एक होटल से 10.3 करोड़ यूरो के हीरे की चोरी हुई। 1983 पहले चालक रहित विमान 'मिनी' ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी।

योगेश कुमार गोयल

त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

सांपों के प्रति समर्पण की सांस्कृतिक परंपरा है नाग पंचमी

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात् कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है।

हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ह नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्राजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए 'नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं।

वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'संविधान बदलने का खतरा' होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

राख तन होना

राख तन होना चिर नींद में .. श्मशान तक ही साथ रिश्तों में फिर किस तरफ - क्या- कौन- क्यों पाले गुमाँ हैं कौन जो अहम इतना नहीं मालिक खुद की देह तक के जाती अकड़ फिर भी नहीं आती समझ फिर भी नहीं अंजाम एक ही है हर देह का विधान एक ही है संसार का जो आया वो ही गया, भागा न कोई मृत्यु से जीता न कोई जन्म से है कर्म ही खुद का हुनर कर कर्म अच्छे रख सबर बोली बदल, कुछ ढंग बदल क्या हो कभी कुछ क्या खबर जो वक़्त है कर कुछ अभी कुछ शांति दे खुद को कभी - **मधुलिका शुक्ला**

घायल हुआ सवेरा

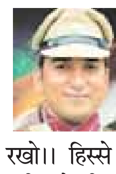

घायल हुआ सवेरा है, हौसला रखो। चारों तरफ अँधेरा है, हौसला रखो।। हिस्से में जो दोष मिला, स्वीकारो भी। कुछ तेरा कुछ मेरा है, हौसला रखो।। हमने ही तो सौंपी है, सारी प्रभुता। राजा बना लुटेरा है, हौसला रखो। चलते-चलते रुकना मत, कोई रोके। आगे रैन-बसेरा है, हौसला रखो।। स्वार्थ भरा संसार यही, सब संत कहे। सबने ही मुँह फेरा है, हौसला रखो।। टल जाएगा बुरा समय, धीरज धरना। सुख कम, दर्द घनेरा है, हौसला रखो।। - **दिनेश रोहित चतुर्वेदी**

कविता उस भूख की तरह होती

कविता उस भूख की तरह होती है जो गहरे से गहरे दुख और असहनीय पीड़ा अवसाद में भी लग जाती है फिर चाहे पीड़ा की गहनता मृत्यु जैसी ही क्यों ना हो दो कौर ही सही आदमी खाता है इसी तरह कविता भी रच जाती है भूख की तरह चाहे दो पंक्तियों की ही क्यों ना हो जबकि कवि मन के बाहर का समाज इसे असंवेदनशीलता भी समझता होगा। जबकि यह कवि मन की गहरी पीड़ा होती है। - **अनामिका चक्रवर्ती अनु**

दिन चमके जैसे सुनहरी आस हर किरण

दिन चमके जैसे सुनहरी आस हर किरण में हो उम्मीद का प्रकाश रात आए चुपचाप सी बातों में तारों की चादर हो सपनों में, दिन दे हौसला कर्म की बात रात दे सुकून और मीठी बात यूँ ही चलते रहें ये सिलसिले रात-दिन संग बुनें जीवन के ताने-बाने। - **मधुबाला मौर्या**

वही पुराना खेल फिर, वही पुरानी

वही पुराना खेल फिर, वही पुरानी चाल। संसद में होने लगा, बेजा पुनः बवाल।। संसद मे करते वही, नाजायज व्यवहार। जनता के धन से नहीं ,जिन्हे तनिक भी प्यार।। बना रहा है बेवजह, तिल का मुआ पहाड़। मर्यादा से कर रहा, संसद की खिलवाड़।। - **रमेश शर्मा**

बहुत पहले के मां बाप ये

बहुत पहले के मां बाप ये सोचकर डरते थे कि हमारे बच्चे कहीं प्रेम विवाह ना कर लें।उसके बाद के समय में मां बाप डरते थे कि हमारे बच्चे कहीं किसी गलत इंसान से शादी करके ना आ जाए।अब के मां बाप डरते हैं कि हमारे बच्चे कहीं शादी ना करने का फैसला तो नही ले लेंगे।अब तो ये भी डर लगता है कि लड़का लड़का से और लड़की किसी लड़की से शादी ना कर ले। सही है ना दोस्तों? - **प्रीति श्रीवास्तव**

हमारे पास में जो था किया

हमारे पास में जो था किया सर्वस्व अर्पण है। समझ जिसको नहीं उसको दिखाना ब्यर्थ दर्पण है।। मिले गर भाव न मन के "अभिज्ञ" दूरी बना लेना। समझ लेना उसी दिन से किया वह भाव तर्पण है।। - **अजय मिश्रा अभिज्ञ**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज आपकी महात्त्वकांक्षाओ की पूर्ती में अड़चने आने से हताश हो सकते है। फिर भी भले-बुरे का विवेक रहने से मानसिक रूप से परेशान नहीं होंगे।

वृषः आज दिन का पूर्वार्ध नयी उलझने लाएगा। हठी प्रवृति रहने से व्यापार में हानि एवं प्रियजनों से दूरी बढ़ सकती है।

मिथुनः आज आपको प्रतिकूल फल मिलने से मन में नकारत्मकता रहेगी।

कर्कः आपका आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यो की असफलता अथवा किसी महत्त्वपूर्ण अनुबंध के निरस्त होने से स्वभाव में चिड़चिड़ा पन आ सकता है।

सिंहः आज दिन का प्रारंभिक भाग सुख-शांति से बितायेंगे। मन खुश रहने से आसपास का वातावरण भी हास्यमय बनाएंगे।

कन्याः आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य में सावधानी रखने की सलाह है।

तुलाः आज भी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने से लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु अज्ञान की स्थिति अथवा गलत सलाह के कारण लाभ होना संदिग्ध ही रहेगा।

वृश्चिकः आज दिन का पूर्वार्ध आशा से अधिक शुभ रहेगा। आज के दिन आकस्मिक घटनाएं अधिक घटित होंगी चाहे वो आर्थिक या पारिवारिक हों।

धनुः आज के दिन धन की कमी रहने पर भी खुश रहने का सफल प्रयास करेंगे। परिजनों से भावनात्मक सम्बन्ध रहने से मन को शान्ति मिलेगी।

मकरः आज भी दिन विपरीत फल देने वाला रहेगा। स्वयं अथवा किसी पारिवारिक सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी।

कुंभः आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा।

मीनः आज आप उदासीनता युक्त जीवन जीयेंगे। पेट सम्बंधित शिकायत रहने एवं अन्य शारीरिक कष्ट के कारण शरीर शिथिल रहेगा।

सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त : 07:13, चन्द्रोदय : 08:49, चन्द्रास्तः :21:30, अयन : दक्षिणायणे (उत्तरगोलीय), ऋतु : वर्षा, शक सम्वतः : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), मास : श्रावण, पक्ष : शुक्ल, तिथि : पञ्चमी, नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी, योग : शिव, प्रथम करण : वणिज (10:57 तक), द्वितीय करण : विष्टि (23:24 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : कर्क, चंद्र : कन्या (23:57 से), मंगल : कन्या (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : कर्क (अस्त, पश्चिम, वक्री), गुरु : मिथुन (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : मिथुन (अस्त, पश्चिम, मार्गी),शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

1) ओकावांगो डेल्टा किस देश में स्थित है?

2) किस कंपनी ने भारत का पहला निजी सैटेलाइट तारामंडल लॉन्च किया है?

3) सशक्त पंचायत नेत्री अभियान किस मंत्रालय ने शुरू किया है?

4) सौरमंडल के बाहरी ग्रहों का अध्ययन करने के लिए कौन सा अंतरिक्ष यान लॉन्च किया गया था?

5) हाल ही में चर्चा में रही नारायणपटना बकरी भारत के किस राज्य की मूल प्रजाति है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) बोत्सवाना (2) पिक्सल (3) पंचायती राज मंत्रालय (4) वॉयजर (5) ओडिशा

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -123 (भागवत साहू)

न्यूज गैलरी

वित्तीय अनियमितता पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पदस्थ 7 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सेवा समाप्त

सेवाएं दिए बिना ही भुगतान लेकर आम जनता से भी की नैतिक धोखाधड़ी

भोपाल/नवप्रदेश। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पदस्थ 7 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सेवा समाप्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा की गई है। इन सभी पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप प्रमाणित होने पर मिशन संचालक द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा मानव संसाधन मैनुअल के तहत यह कार्रवाई की गई है। इन सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा दी जाने वाली ÷प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि÷ को पात्रता न होने पर भी कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत कर राशि प्राप्त की गई थी। आमजन को मूलभूत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों में मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, असंचारी रोग, क्षय रोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को मानदेय के साथ साथ प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है, जो बीमारियों की स्क्रीनिंग, उपचार और फॉलोअप के लिए मानदेय के अलावा अतिरिक्त रूप से दी जाती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा समीक्षा के दौरान ये पाया गया था कि प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि को पात्रता न होने पर भी निकाल लिया गया है। जिन 7 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को मिशन द्वारा सेवा से पृथक किया गया है,उनके द्वारा अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर स्क्रीनिंग, उपचार और फॉलोअप के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से निकाल लिया गया था। राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा इन कर्मचारियों के प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि अभिलेखों, प्राप्त राशि, वास्तविक रूप से किए कार्य और इस हेतु पात्र राशि की जांच की गई थी। जांच के दौरान इन कर्मचारियों ने भी स्वीकार किया कि उनके द्वारा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अतिरिक्त लाभ प्राप्त किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश 2025 के मानव संसाधन मैनुअल के अनुरूप संविदा अधिकारी, कर्मचारी द्वारा कदाचरण करने और अनियमितता में सम्मिलित होने पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही की गई है। इनके द्वारा कार्य किए बिना ही राशि निकाल कर गरीब जनता के साथ भी नैतिक धोखाधड़ी की गई है। उज्जैन जिले के महिदपुर ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र महुदी न्यू में पदस्थ ज्योति निम्बड़वा, सागर जिले के शाहगढ़ ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र नारवा में पदस्थ निधि बोस, अनूपपुर जिले के अनूपपुर ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र मौहरी में पदस्थ पूजा पनिका, जबलपुर जिले के शाहपुरा

किसानों को सुगमता से मिले खाद, नकली खाद बेचने या कालाबजारी करने वालों पर करें कठोर कार्रवाई

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा

अधिकारियों को खाद वितरण केन्द्रों का निरीक्षण कर सुचारू वितरण व्यवस्था बनाने के निर्देश

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में खाद वितरण की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने जिले में डीएपी, यूरिया आदि खाद की उपलब्धता और वितरण की विकासखण्डवार जानकारी लेते हुए उप संचालक कृषि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहकारी बैंक, उपायुक्त सहकारिता को खाद वितरण केन्द्रों का सतत् निरीक्षण करने तथा सुचारू वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि जिले में कहीं भी नकली खाद का विक्रय, खाद की कालाबजारी या खाद वितरण में भेदभाव ना हो। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम और कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करें। साथ ही कृषि संगठनों से भी प्रतिदिन संवाद कर खाद वितरण की स्थिति, स्टॉक की मात्रा तथा प्राप्त होने वाली खाद की भी जानकारी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में कहीं भी खाद वितरण को लेकर अव्यवस्था निर्मित होने की संभावना होने पर तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं। उन्होंने कृषि अधिकारी से आगामी दिवसों में प्राप्त होने वाली उर्वरकों की जानकारी लेते हुए अग्रिम मांग प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अभी तक उपार्जित मूंग की मात्रा, उपार्जित मूंग के सुरक्षित भण्डारण और किसानों को भुगतान की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण की गति धीमी हुई है, इसमें तेजी लाएं। कोई भी शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट ना रहे तथा ना ही निम्न गुणवत्ता से निराकृत हो। उन्होंने 50 दिवस और 100 दिवस से अधिक समयावधि वाली शिकायतों का एक सप्ताह में प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। नदियों के जल स्तर तथा तटीय क्षेत्रों पर नजर बनाए रखने के निर्देश कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार सभी एसडीएम को वर्षाकाल के दृष्टिगत की गई तैयारियों की पुनः समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों सहित अन्य नदियों के जल स्तर पर तथा पुल-पुलियों पर पानी होने पर निगरानी बनाए रखने तथा तुरंत अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि जलभराव या बा? की स्थिति होने पर आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव केन्द्र शुरू किए जाएं। साथ ही राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए 04 अगस्त तक 85 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को क्षेत्र में भ्रमण कर जीर्ण-शीर्ण भवनों की जांच करने के निर्देश बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि बारिश के दौरान जीर्ण-शीर्ण भवनों के गिरने से किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो, इसके लिए एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ सहित अन्य जिला अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जीर्ण-शीर्ण भवनों की सूची तैयार कर नियमानुसार करें। उन्होंने सभी एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी, जनपद सीईओ, सीएमओ, बीआरसी, सीडीपीओ को आगामी एक सप्ताह में क्षेत्र का भ्रमण कर जीर्ण-शीर्ण भवनों की जांच करेंगे। क्षेत्र में जीर्ण-शीर्ण भवन नहीं होने पर संबंधित अधिकारी संयुक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने और स्वामित्व योजना के लंबित प्रकरणों का 31 जुलाई तक अंतिम निराकरण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। अवैध शराब बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम को कृषि उपज मंडियों का भी भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अधिक समय तक इंतजार ना करना प?, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी अवैध शराब की बिक्री ना हो, अवैध शराब की बिक्री करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसी प्रकार खनिज अधिकारी को बिना रॉयल्टी के अवैध उत्खन्न और परिवहन करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई के भी निर्देश दिए। जिला अधिकारी स्कूल, आंगनवा?ी, स्वास्थ्य केन्द्र आदि का करें निरीक्षण बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उप संचालक कृषि, जिला शिक्षा अधिकारी, सीएमएचओ, डीपीसी, जिला संयोजक आदिम जाति, सभी जनपद सीईओ, सीएमओ, सीडीपीओ सहित अन्य अधिकारियों को इस सप्ताह क्षेत्र में सतत् भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्कूल, आंगनवा?ी केन्द्र, खरीदी केन्द्र, खाद वितरण केन्द्र, गौशाला, अस्पताल, छात्रावास आदि संस्थाओं का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि संस्थाओं में सभी व्यवस्थाएं सुचारू हों। कलेक्टर श्री विवश्कर्मा ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य केवल कमियां निकालना ना हो, समस्या को पहचानकर उसका निदान भी सुनिश्चित कराना है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन/नवप्रदेश। जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम पर चर्चा करते हुए सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने के निर्देश दिए। शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पादों का विक्रय ना हो यह सुनिश्चित कराएं। तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा जन-जागरूकता ब?ाने हेतु सामुदायिक स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित

विश्व हेपेटाईटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

भोपाल/ नवप्रदेश। विश्व हेपेटाईटिस दिवस के अवसर पर सोमवार को हेपेटाईटिस स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। यह दिवस हेपेटाईटिस बी वायरस की खोज करने वाले डॉ. बरूच ब्लुमबर्ग की जन्मतिथि पर मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस ÷लेट्स ब्रेक इट डाउन÷ की थीम पर मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सेंट्रल जेल भोपाल में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर एक महीने का स्क्रीनिंग शिविर की शुरुआत की गई। जो कि आगामी एक माह तक संचालित किया जाएगा। जिसमें बंदियों की हेपेटाइटिस बीसी एचआईवी , वीडीआरएल, एसटीआई, टीबी स्क्रीनिंग की जाएगी। पहले दिन 175 कैदियों की जांच की गई। केन्द्र सरकार द्वारा 2018 में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाईटिस कण्ट्रोल कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। जिसका उददेश्य 2030 तक हेपेटाईटिस सी का उन्मूलन करना है।

कार्यक्रम के तहत हेपेटाईटिस बी और सी से संक्रमित लोगों की स्वास्थ्य जटिलताओं और मृत्यु दर को कम करना है। वायरल हेपेटाईटिस कण्ट्रोल कार्यक्रम के अंतर्गत लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर के खतरों को कम के साथ ही हेपेटाईटिस ए और ई से स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान और मृत्यु की दर को कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हेपेटाईटिस एक वायरल संक्रमण है,जो लीवर को संक्रमित करता है। हेपेटाईटिस ए और ई का संक्रमण दूषित खाने और पानी की वजह से फैलता है। हाथों की स्वच्छता एवं साफ भोजन और पानी के इस्तेमाल से इसका प्रसार रोका जा सकता है। हेपेटाईटिस सी का प्रसार संक्रमित रक्त से होता है। हेपेटाईटिस बी के मरीज़ों में वर्षो तक कोई लक्षण प्रगट नहीं होते हैं। इसलिए समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श अनुसार जांच करवाना बेहद आवश्यक है। हेपेटाईटिस बी होने पर शरीर में दर्द, पीलिया, पेट में पानी भर जाना, लीवर में दर्द होना, खून की उल्टियां होना, भूख ना लगना, पेट में सूजन आना जैसे लक्षण हो सकते हैं। क्रॉनिक हेपेटाईटिस की स्थिति में लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। हेपेटाईटिस बी का संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित खून, गोदना का प्रयोग या नाक अथवा कान को छेदने में संक्रमित सुई के इस्तेमाल, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित समलैंगिग संबंध से फैल सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि हेपेटाईटिस बी से बचाव हेतु शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में टीकाकरण निःशुल्क किया जाता है। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में हेपेटाईटिस की जांच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है।

हेपेटाईटिस बी संक्रमित मां से, गर्भस्थ शिशु में संक्रमण पहुंचने की संभावना भी होती है। इसीलिए गर्भवती महिलाओं में हेपेटाईटिस बी की जांच अनिवार्य रूप से की जा रही है,मां के संक्रमित होने पर बच्चे को एच. बी. इम्युनोग्लोबिन लगाई जाती है। स्वास्थ्य संस्थाओं में ट्रिपल टेस्टिंग शुरू की गई है,जिसमें एच.आई.वी., हेपेटाईटिस बी और सिफलिस संक्रमण की जांच की जाती है ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरी गरिमा और हर्षोल्लास से मनाया जाए - संभागायुक्त सिंह

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां समय पर पूर्ण हों

भोपाल/नवप्रदेश। आगामी 15 अगस्त को पूरे प्रदेश की भांति भोपाल में भी 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। भोपाल में राज्य स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन पूरी गरिमा और हर्षोल्लास के साथ हो। राज्य स्तरीय मुख्य समारोह लाल परेड ग्राउंड पर प्रातः 9.00 बजे से आयोजित होगा। संभागायुक्त डॉ. संजीव सिंह ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में संबंधित विभागों की बैठक ली और निर्देश दिए कि मुख्य समारोह की सभी तैयारियां उत्कृष्ट हों तथा समय पर पूर्ण की जाएं। सभी विभाग उन्हें सौंपे गए दायित्व को तत्परतापूर्वक पूर्ण करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री हरेंद्र नारायण, एडीएम श्री प्रकाश नायक, उपायुक्त राजस्व श्रीमती किरण गुप्ता, एसीपी ग्रामीण श्री पंकज श्रीवास्तव, सेनानी 23वीं वाहिनी राजेश्वरी माहोबिया सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि बारिश के मद्देनजर सभी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक व्यवस्था उत्तम हो तथा कार्यक्रम में आने वाले स्कूली बच्चों और परेड में भाग लेने वाले पुलिस बल आदि का विशेष ध्यान रखा जाए। वाहनों की पार्किंग व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। कार्यक्रम स्थल पर शुद्ध पेयजल व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य विभाग प्राथमिक चिकित्सा की पूरी व्यवस्था रखे। लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, बिजली विभाग सहित सभी विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और उत्कृष्ट परिणाम दें। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम में सम्मिलित होने के पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शौर्य स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे जिसकी व्यवस्था संस्कृति विभाग द्वारा राजधानी परियोजना के सहयोग से पूर्ण की जाए। गत वर्ष की भांति रविंद्र भवन में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर भोपाल द्वारा गणमान्य नागरिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों तथा अधिकारियों को आमंत्रित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्वतंत्रता

स्वस्थ लीवर तो जीवन स्वस्थ, लीवर की देखभाल को प्राथमिकता दें - कलेक्टर

स्वस्थ शरीर के लिए अपनाएं संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली - कलेक्टर

कलेक्टर सहित 83 अधिकारियों ने कराई अपने लीवर की स्क्रीनिंग

सीहोर जिले में की जा चुकी है 75 हजार से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग

सीहोर/नवप्रदेश। लीवर स्वस्थ रहेगा, तो जीवन भी स्वस्थ रहेगा और जब जीवन स्वस्थ रहेगा, तब व्यक्ति स्वयं, परिवार, समाज और पूरा प्रदेश भी स्वस्थ और सशक्त बनेगा। यह बात कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टीएल बैठक के दौरान अधिकारियों से कही। बैठक के तुरंत बाद 83 अधिकारियों ने लीवर की स्क्रीनिंग भी कराई।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि लीवर हमारे शरीर का सबसे अत्यंत कार्यशील अंग है। यह अंग ऊर्जा उत्पादन, विषहरण, प्रतिरक्षा और पाचन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की आधारशिला है। जब लीवर प्रभावित होता है, तो उसके लक्षण बहुत देर से प्रकट होते हैं और तब तक शरीर को गंभीर हानि पहुँच चुकी होती है। ऐसे में आवश्यक है कि हम समय रहते लीवर की देखभाल को अपनी प्राथमिकता बनाएं। उन्होंने कहा कि मोटापा, मधुमेह, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव एनएएफएलडी के प्रमुख कारण हैं, ये सभी कारक जीवनशैली से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सभी शासकीय सेवकों और नागरिकों से कहा है कि वे अपने और अपने परिवार की जाँच कराएं। उन्होंने कहा कि शरीर स्वास्थ्य रखने के लिए संतुलित

आहार अपनाएं, जंक फूड से बचें, और रोजाना कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। कलेक्टर बालागुरू के. ने बताया कि स्वस्थ यकृत मिशन, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य लीवर से संबंधित बीमारियों की रोकथाम, शीघ्र पहचान, उपचार और जागरूकता फैलाना है। यह मिशन यकृत स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि सीहोर जिले में अभी तक 75,060 व्यक्तियों के लीवर की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। टीएल बैठक के दौरान डॉ आरके सिंघल ने लीवर की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री आनंद सिंह राजावत, आष्टा एसडीएम श्री नितिन टाले, सीहोर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह, डॉ जेडी कोरी सहित सभी अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत में लीवर की स्क्रीनिंग के लिए जिला चिकित्सालय द्वारा लगाये गये कैंप में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह सहित 83 अधिकारियों ने स्क्रीनिंग कराई। स्क्रीनिंग में 58 अधिकारियों का बीएमआई सामान्य से अधिक पाया गया। इन सभी के लीवर की जांच के लिए ब्लड सैंपल लिया गया। इसके साथ ही 22 अधिकारियों को हाइपरटेंशन (बीपी) तथा 9 अधिकारियों को मधुमेह पॉजिटिव पाया गया। स्क्रीनिंग के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. का बीएमआई, ब्लड प्रेशर तथा मधुमेह सामान्य पाया गया। अपर कलेक्टर का भी बीपी एवं शुगर नार्मल पाया गया। कैंप में 83 अधिकारी-कर्मचारियों की आभा आईडी भी बनाई गई।

सीहोर जिले में अभी तक 750,60 व्यक्तियों के लीवर की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिसमें 40,492 पुरूष तथा 34,568 महिलाएं शामिल है। स्क्रीनिंग में 12,212 व्यक्तियों का बीएमआई सामान्य (23) से अधिक पाया गया। इसमें 5,559 पुरूष तथा 6,653 महिलाएं शामिल है। इन सभी को लीवर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक जीवन शैली एवं उपचार के बारे में बताया जा रहा है। जिले में स्क्रीनिंग का कार्य निरंतर जारी है।

डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किए विविध कार्यक्रम

विद्यालय में छात्रों को बताया लार्वा नष्टीकरण के बारे में

भोपाल/नवप्रदेश। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा के निर्देशन में एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के नेतृत्व में भोपाल में डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को इन बीमारियों के बारे में जानकारी प्रदान करना और उन्हें बचाव के उपायों के बारे में बताना है। महर्षि विद्या मंदिर अयोध्या नगर, वार्ड68 ज़ोन-16 मंक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, फाइलेरिया और जापानी एन्सेफ्लाइटिस जैसी बीमारियों के कारण और बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान लार्वा सर्वेक्षण भी किया गया और लोगों को मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए जागरूक किया गया। जोन-5 वार्ड-23 चटाई पुरा बुधवारा और आंगनवाड़ी केंद्र-510 में भी जागरूकता अभियान चलाए गए, जहां लार्वा सर्वेक्षण, पंपलेट वितरण और जागरूकता अभियान से लोगों को समझाया गया। इस दौरान लोगों को बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव और रोकथाम के उपायों के बारे में बताया गया।

■ न्यूज गैलरी

शिक्षक अब बच्चों को सिखाएंगे जीवन कौशल के गुर

संदीपनि स्कूल के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण संपन्न

बैतूल/नवप्रदेश। जनजातीय कार्य विभाग बैतूल द्वारा मैजिक बस फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से संचालित जीवन कौशल आधारित 'सक्षम'कार्यक्रम के तहत सोमवार को मिडिल स्कूल, संदीपनि एवं विशेष आवासीय विद्यालय के शिक्षकों का एक दिवसीय रिफ्रेशिंग ट्रेनिंग कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर में आयोजित हुआ। जिसमें 63 माध्यमिक शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन बीआरसी श्री राजेश कुमार आठनेरे, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री आर. के. खाड़े, कन्या शिक्षा परिसर प्राचार्य श्री मदनलाल पटेल , सीएसी श्री भीमराव दवडे के निर्देशन में किया गया, जिसमें ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्री मेहरबान सिंह, मीना सातकार, मास्टर ट्रेनर जितेन्द्र वागद्र श्री अतुल कश्यप और के मार्गदर्शन में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रशिक्षण की शुरुआत प्री-टेस्ट से की गई, जिसके पश्चात वर्ष 1 और वर्ष 2 के मॉड्यूल की संरचना एवं मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मास्टर ट्रेनर श्री जितेन्द्र वागद्र ने कार्यक्रम के पूर्व वर्षों की उपलब्धियों और अनुभवों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण न केवल विद्यार्थियों की शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और नैतिक क्षमता के विकास में सहायक होगा, बल्कि उनके व्यवहार और समझ को भी परिपक्व बनाएगा। प्रशिक्षण में शिक्षकों को जानकारी दी गई कि अब वे विद्यालय में रोचक गतिविधियों और खेल आधारित सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन कौशल सिखाएंगे। मास्टर ट्रेनर द्वारा वर्ष 2 के जीवन कौशल सत्रों का व्यवहारिक प्रदर्शन कर उपस्थित शिक्षकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर अतुल कश्यप ने 'मेरी सीख का कोना, 'सक्षम वॉल'और 'बिहेवियर मैनेजमेंट सिस्टम'जैसे नवाचारों को लागू करने की दिशा में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने 11 प्रमुख जीवन कौशलों के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की। ब्लॉक प्रबंधक मीना सातनकर ने जेंडर समानता और बाल संरक्षण की अवधारणाओं पर विशेष सत्र आयोजित किया। उन्होंने बाल दुर्व्यवहार के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षकों को सजग भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया इसके बाद पोस्ट भी लिए गया। समापन सत्र में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर मेहरबान सिंह ने शिक्षकों से अपील की कि जीवन कौशल सत्रों को गुणवत्ता पूर्ण, बालमैत्री वातावरण में संचालित करें और नवाचारों को अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावशाली तरीके से क्रियान्वित करें। उन्होंने नियमित रिपोर्टिंग की भी विशेष महत्ता बताई।

जिला चिकित्सालय में विश्व हेपेटाइटिस दिवस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन भोपाल एवं मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार 28 जुलाई को जिला चिकित्सालय बैतूल में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमा? ने बताया कि इस अवसर पर ब?ी संख्या में लक्षित समुदाय के लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य के प्रति अपनी जागरूकता दिखाई और विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2025 की थीम हेपेटाइटिसः चलो इसे तो?के संदेश को आगे ब?ाया।राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ रोहित पराते ने इस बीमारी से बचाव और समय पर हेपेटाइटिस टीकाकरण महत्व, रोकथाम, निदान, एवं प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच, टीकाकरण, और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी से पूरी तरह बचा जा सकता है। कार्यक्रम इस अवसर पर टीआई प्रोजेक्ट कार्यक्रम प्रबंधक श्री निर्देश मदरेले एमएण्डई श्री वैभव मालवी, आईसीटीसी काउंसलर श्रीमती अनिता लोखंडे, टीआई काउंसलर श्रीमती प्रीतिबाला पवांर, ओआरडब्ल्यू भाग्यश्री तालमपुरिया, छाया प्रजापति, भाग्यश्री नामदेव, अभिषेक सोनी, हेपेटाइटिस पीअर सपोर्टर नवनीत बाडबूदे, लेब टेक्नीशियन श्री अमित राक्से एवं समस्त टीआईपीई

10 दिनों से चल रहे आस्था और सेवा के महासंगम नागद्वारी मेले का आज अंतिम दिवस

नाग पंचमी पर्व पर शयन आरती के उपरांत आज नागद्वारी मेले का किया जाएगा समापन मेला अवधि के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अमला 24×7 श्रद्धालुओं की सहायता के लिए रहा तैनात कलेक्टर एवं एसपी ने सोमवार को मेला क्षेत्र का किया सघन निरीक्षण लगभग 5 लाख श्रद्धालुओं ने नागदेवता के दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित किया

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। भगवान भोलेनाथ की नगरी पचमढ़ी में पद्मशेष नागदेवता के दर्शन करने के लिए साल में एक बार की जाने वाली नागद्वारी यात्रा 19 जुलाई से निरंतर चालू है एवं आज नागपंचमी के दिन यात्रा का समापन होगा। प्रारंभिक तिथि से नागपंचमी तक अनुमानित 5 लाख श्रद्धालु नाग देवता के दर्शन कर चुके हैं। आज अंतिम दिवस भी श्रद्धालुओ का अनवरत रेला लगा हुआ है। 10 दिनों तक चलने वाले इस मेले का आज संध्या आरती के उपरांत समापन किया जायेगा। मेला अवधि के दौरान इन 10 दिनों में प्रशासनिक अमला अपनी पूरी निष्ठा एवं तत्परता के साथ मेले के सफल संचालन हेतु दिन-रात तैनात रहा है। पूरे मेले के दौरान पुलिस एवं होमगार्ड के जवानों द्वारा श्रद्धालुओं को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई गई है जिससे कि उनकी यह यात्रा सफल एवं मंगल दायक हो सके। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी नियमित रूप से निरंतर समस्त सेक्टर पॉइंट्स का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुगम बनाया है। समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। सोमवार को कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा पचमढ़ी पहुंचकर काजरी के समीप नागद्वारी ट्रैक का पैदल मार्ग से निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियों को 29 जुलाई नाग पंचमी के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने को दृष्टिगत रखते हुए बेहतर एवं उचित भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ समस्त सेक्टर पॉइंट्स पर आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ रखने के लिए निर्देशित किया गया है। इस दौरान कलेक्टर ने श्रद्धालुओं से चर्चा कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन को लेकर मेला समिति द्वारा उचित निष्पादन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री एसएस रावत, एसडीएम पिपरिया श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव सहित अन्य प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा।

नागद्वारी मेले में आने वाले भक्त नागद्वार गुफा में विराजित भगवान पदम्शेष के करने पहुंचते हैं। भक्तों की मान्यता है कि पद्मशेष भगवान मन्नतों का देवता हैं। यही कारण है कि सात पहाड़ों को पार कर लगभग 20 किमी से अधिक की कठिन यात्रा कर श्रद्धालु नागद्वार गुफा तक पहुंचते हैं। नागद्वारी को लेकर कई रहस्यमयी कहानियां भी प्रचलित हैं। कई लोग इस गुफा को पाताल लोक का प्रवेश द्वार कहते हैं तो कई ऐसे भी श्रद्धालु हैं जो इसे भगवान शंकर के गले में विराजित नाग देवता का घर मानते हैं।

सदियों पुराना है नागद्वारी यात्रा का इतिहास

नागद्वारी गुफा का इतिहास आदिकाल से प्रचलित है। नागद्वार स्वामी सेवा ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष श्री उमाकांत झाडे बताते हैं कि, ÷कई वर्षों से यह यात्रा अनवरत जारी है। भगवान महादेव ने भस्मासुर से बचने के लिए अपने गले के नाग को यहां छोड़ा था। उसी समय से यह नाग देवता पदम् शेष का स्थान रहा है। मुगल कालीन लेखों से लेकर अंग्रेज अफसर केप्टन जेम्स फॉरसिथ की बुक Higlands Of Central India सभी में नागद्वारी यात्रा का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। पचमढी के वृद्धजनों द्वारा भी बताया जाता है कि सन 1800 में अंग्रेजों के साथ राजा भभूत सिंह की सेना का युद्ध हुआ था। तब अंग्रेजी सेना पर हमला करने के बाद राजा भभूत सिंह और उनकी सेना ने नागद्वारी के आसपास स्थित गुफाओं और कंदराओं को विश्राम करने के लिए उपयोग किया जाता था। इन्हीं गुफाओं में अंग्रेजों से लड़ने की गुप्त रणनीति बनाई जाती थी। राजा भभूत सिंह का साथ देने के लिए आदिवासी और मराठा नाग देवता के दर्शन करने के लिए पैदल चलकर नागद्वारी आते थे। गुफा के पास काजरी क्षेत्र में आज भी शहीद सैनिकों की अनेकों समाधियां स्थित हैं। मराठा और आदिवासी परिवार उसी दौर से यहां यात्राएं कर रहे हैं। उसके बाद नागद्वारी गुफा में शिवलिंग स्थापित किया गया, महज पांच फीट चौड़ी और 100 फीट लंबी गुफा में नाग देवता की प्रतिमा का पूजन लोग करते हैं।

पुजारी उमाकांत झाडे बताते हैं कि %लगभग 200 वर्ष पहले महाराष्ट्र के राजा हेवत चंद और उसकी पत्नी मैनारानी ने नागदेवता से संतान प्राप्ति की मन्नत मांगी थी मन्नत पूरी होने पर नागद्वारी पहुंचकर नाग देवता की आंख में काजल लगाने का वचन दिया था। पुत्र के थोड़ा बड़े होने के बाद भी मैना रानी नागद्वारी नहीं गई। कई लोगों के समझाने के बाद रानी नागद्वारी यात्रा पर निकली। नाग देवता पहले बाल स्वरूप में मैना रानी के समक्ष आंख में काजल लगाने के लिए आए, लेकिन रानी ने काजल नहीं लगाया इसके बाद नाग देवता विशाल रूप में प्रकट हो गए। यह देख मैना रानी बेहोश हो गई। नाग देवता ने आक्रोशित होकर उनके पुत्र श्रवण कुमार को डस लिया। श्रवण कुमार की समाधि भी काजरी क्षेत्र में बनी है.÷ वर्ष में केवल एक बार 10 दिनों के लिए खुलने वाले नागद्वारी मंदिर के पुजारी के अनुसार नाग देवता से संतान की मन्नत मांगने लाखों लोग आते हैं और उनकी मुराद भी पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर लोग दोबारा भगवान को चढ़ावा चढ़ाने के लिए आते हैं। नाग पंचमी पर पदम्शेष भगवान के दर्शन और पूजन करने से तथा सर्पाकार पगडंडियों पर चलकर भगवान के दर्शन करने से कालसर्प दोष दूर होता है, इस कारण बड़ी संख्या में यहां लोग

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं नस्ल सुधार करने के लिए फीमेल पशुओं के प्रजनन को प्रोत्साहित किया जाए - कमिश्नर

बारिश के मौसम को देखते हुए होटल एवं रेस्टोरेंट में बिकने वाली दूषित खाद्य सामग्री की जांच की जाए सेवानिवृत कर्मचारियों के स्वत्वों का भुगतान समय पर किया जाए 70 एवं 70 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से बनाए जाएं कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में पशु चिकित्सा सेवाएं के संयुक्त संचालक को निर्देश दिए कि वह पशुओं की नस्ल सुधारने एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओ में फीमेल पशु के प्रजनन को प्रोत्साहित करें। कमिश्नर ने कहा कि शासन द्वारा तत संबंध में योजना भी संचालित है, इस योजना का पशु चिकित्सा विभाग व्यापक प्रचार प्रसार पशु मालिकों तक एवं किसानों तक करे। मात्र ?100 की लागत से लाइफ कॉरपोरेशन से फीमेल सीमन प्राप्त कर फीमेल पशु का जन्म कराया जा सकता है, यह योजना सफल है और अब तक इस योजना के क्रियान्वयन से 57 फीमेल एवं आठ मेल पशु का प्रजनन कराया गया है। कमिश्नर ने कहा कि फीमेल पशुओं के उत्पादन से नस्ल में सुधार तो होगा ही साथ ही दुग्ध उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके सफल क्रियान्वयन से पशु मालिक अपने पशुओं को सड़क पर विचरण करने के लिए नहीं छोड़ेंगे। अपितु वह अपने दुधारू पशुओं को घर पर ही रखकर उनकी उचित देखभाल करेंगे। कमिश्नर श्री तिवारी ने नर्मदापुरम जिले एवं संभाग के अन्य जिलों में हो रही लगातार बारिश को देखते हुए फूड सेफ्टी अधिकारियों को निर्देश दिए की वे अपने-अपने जिले के होटल, रेस्टोरेंट एवं दुकानों में बिकने वाले दूषित खाद्य सामग्री की एवं पदार्थ की जांच करें, उनके सैंपल लेकर प्रयोगशाला में जांच हेतु भेजें। किसी भी स्थिति में दूषित खाद्य सामग्री ना बिकने पाए। उन्होंने 70 से अधिक एवं 70 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से बनाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि आयुष्मान कार्ड से 5 लाख तक का इलाज चिन्हित अस्पतालों में फ्री में किया जाता है। व्यक्ति आयुष्मान कार्ड का लाभ अनिवार्य रूप से लेवे। उन्होंने जिला पेंशन अधिकारी को निर्देश दिए कि वह सेवानिवृत कर्मचारियों के सभी स्वत्वों का भुगतान समय सीमा में करना सुनिश्चित करें, साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने यहां के सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों की जानकारी जिला पेंशन कार्यालय को प्राथमिकता से देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उसकी फोटो लेकर पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाए। उन्होंने मनरेगा अभियान के अंतर्गत संचालित एक बगिया मां के नाम अभियान की भी समीक्षा की और निर्देश दिए की बाग बगीचे में रुचि रखने वाले और जिनके पास एक एकड़ की भूमि है ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर एक बगिया मां के नाम अभियान के अंतर्गत एक बगिया डेवलेप किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने अधीनस्थ अमलों को निर्देश जारी करें कि वह अपनी सभी फाइलें ई ऑफिस सिस्टम के माध्यम से ही भेजें और सभी फाइलों में पेन से हस्ताक्षर न करके ई साइन या डिजिटल हस्ताक्षर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह समय सीमा के प्रकरणों का जवाब ठोस कार्रवाई करके दे, आश्वासन संबंधी जवाब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होंगे। कमिश्नर श्री तिवारी ने आधार ई केवाईसी में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। जिला खाद एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि होशंगाबाद में 91 बैतूल में 98 एवं हरदा में 89 प्रतिशत हितग्राहियों के आधार ईकेवाईसी बनाए जा चुके हैं। सभी हितग्राहियों को 3 महीने का एक मुफ्त राशन भी प्रदान कर दिया गया है। जिन हितग्राहियों की ईकेवाईसी नहीं हुई है केवल वही राशन से वंचित है। उन सभी वंचित हितग्राहियों का भी ई केवाईसी कराने का कार्य लगातार जारी है। सभी राशन दुकानों का सत्यापन किया जा चुका है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी जेएसओ पेट्रोल पंपों की जांच अनिवार्य रूप से करके जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

खाद का आवश्यकता से अधिक भंडारण करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही : कलेक्टर

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक समाधान कराएं

बैतूल/नवप्रदेश। जिले में खाद का आवश्यकता से ज्यादा भंडारण कर कृत्रिम खाद का अभाव पैदा करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। ऐसा करने वाले व्यक्ति, किसान और व्यापारी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया जाएगा। यह निर्देश बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में उप संचालक कृषि को दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि कृषि के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अपने क्षेत्र में खाद की आपूर्ति और वितरण की सतत मॉनिटरिंग भी करें। कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध भी आपराधिक प्रकरण दर्ज कराएं और उनका लाइसेंस भी निरस्त करें। उप संचालक कृषि श्री आनंद कुमार बड़ोनिया ने बताया कि जिले को मांग अनुसार सतत खाद की रैक प्राप्त हो रही हैं। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं अन्य विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली जनशिकायतों का गंभीरता पूर्वक समाधान किया जाएं। शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक प्रगति न लाने वाले विभागों के अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

समय सीमा के लंबित पत्रों की भी समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सम्बन्धित अधिकारियों को पत्रों का समाधान कर जवाब प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ईकेवाईसी की प्रगति की भी जनपद और निकायवार समीक्षा की। उन्होंने सीईओ जनपद भीमपुर, घोड़ाडोंगरी और शाहपुर तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी आमला, बैतूल, घोड़ाडोंगरी और शाहपुर को ई केवाईसी में प्रगति लाने के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने खरीफ फसलों की बुवाई की भी जानकारी ली। उन्होंने श्रीअन्न और उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी भी शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ई ऑफिस प्रणाली का ब्लॉक स्तर पर क्रियान्वयन की समीक्षा कर निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर जिन विभागों के अधिकारी ऑन बोर्ड हो गए है, उन विभागों के जिला अधिकारी सुनिश्चित करे कि ब्लॉक स्तर पर भी ई ऑफिस का प्रभावी क्रियान्वयन हो। ई ऑफिस के क्रियान्वयन में समस्या आने पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी से संपर्क कर उनका निराकरण कराएं।

बैठक में एसडीएम बैतूल श्री मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित

बैतूल/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आत्मा परियोजना के तहत किसानों के राज्य के अंदर और बाहर भ्रमण, फसल प्रदर्शन, तकनीकी वितरण, फॉर्म स्कूल इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देशित किया कि आत्मा परियोजना के तहत इस वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्य से गवर्निंग बोर्ड ने सदस्यों को अवगत कराने और निर्धारित लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने के लिए संयुक्त रूप से प्रयास किए जाएं। बैठक में उप संचालक कृषि श्री आनंद कुमार बड़ोनिया ने नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के बारे में जानकारी अभियान के तहत जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित देने के लिए 6250 कृषकों का चयन किया गया है।

प्रथम पेज का शेष

भारत के सैनिक शेर हैं...

उन्होंने कहा, विपक्ष का सवाल यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकी ठिकानों को तबाह किया? तो उसका उत्तर है-हां। ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा? तो इसका भी उत्तर है- हां। उन्होंने विपक्ष को सलाह देते हुए कहा, जब हमारे लक्ष्य बड़े होते हैं, तो हमें छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। छोटे मुद्दों पर फोकस करने से बड़े मुद्दों से ध्यान हट जाता है। राजनाथ सिंह ने विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थी तो संसद में और बाहर उसका व्यवहार सरकार से सार्थक सवाल पूछने का रहा है, यह रवैया विपक्ष का भी होना चाहिए था। उन्होंने कहा, हमने भी एक लंबा समय विपक्ष में बिताया है, लेकिन तब हमने सरकारों से सार्थक सवाल पूछे। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध का उदाहरण देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ÷हमने तब पूछा कि हमारी धरती पर किसी और देश का कब्जा कैसे हो गया? हमारे सैनिकों की इतनी जानें कैसे गईं? हमने हथियारों या मशीनों की चिंता नहीं की, बल्कि सैनिकों की चिंता की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का भी जिक्र करते हुए कहा, जब हमने पाकिस्तान को सबक सिखाया था, तब अटल जी ने सदन में सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि पूरे नेतृत्व की सराहना की थी, जिसमें विपक्ष भी शामिल था। राजनाथ सिंह ने विपक्ष के तर्कों पर कटाक्ष करते हुए कहा, किसी भी परीक्षा में परिणाम मायने रखता है। हमें इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए कि परीक्षा के दौरान छात्र की पेंसिल टूटी थी या नहीं। उन्होंने दोहराया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सफल और निर्णायक अभियान था और विपक्ष को उसमें नकारात्मकता नहीं ढूंढनी चाहिए।

आतंकवादी पहलगाम में...

पहलगाम के दहशतगर्दों को क्यों नहीं पकड़ पाई? पहलगाम के आतंकियों को किसने पनाह दी, किसने जानकारी दी? पहलगाम के आतंकियों को फरार होने में किसने मदद की? 100 दिन बीत गए, लेकिन सरकार के पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। सरकार के पास ड्रोन, पेगासस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ है, वहां गृहमंत्री कुछ दिन पहले ही गए थे, लेकिन फिर भी आप किसी को पकड़ नहीं पाए। ये कैसा बंदोबस्त था?

विदेश मंत्री-मोदी और..

बात करें। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 17 जून तक कोई फोन कॉल नहीं हुई। इस पर विपक्ष के हंगामे पर गृह मंत्री अमित शाह खड़े हुए और कहा कि भारत का विदेश मंत्री यहां बोल रहा है, इनको विदेश मंत्री पर भरोसा नहीं है। किसी और देश पर भरोसा है। इसीलिए ये वहां बैठे हैं, अगले 20 साल तक वहीं बैठने वाले हैं।

सेवा के संकल्प से प्रारंभ की

और राज्य सरकार कार्य कर रही है। जहां गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रस्त नागरिकों को बड़े चिकित्सा संस्थान तक उपचार के लिए अविलम्ब भेजने के उद्देश्य से पीएमश्री एम्बुलेंस सेवा संचालित है वहीं राहवीर योजना में दुर्घटना होने के एक घंटे की भीतर गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जीवन रक्षा करने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है।

सरकार का सेवा का संकल्प पूरा होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निःशुल्क शव वाहन की सेवा के प्रारंभ होने से निर्धन वर्ग को विशेष मदद मिलेगी। जब सभी प्रयासों के बाद मनुष्य का जीवन नहीं बच पाता है और परिवार संकट की स्थिति में रहता है तो सबसे पहले उसे अपने परिवार के व्यक्ति के पार्थिव शरीर को निवास स्थान ले जाना होता है। नागरिकों को अक्सर यह तकलीफ उठानी पड़ती है जब पार्थिव शरीर को घर ले जाने के लिए कोई वाहन या अन्य प्रबंध न हो। इस सेवा के प्रारंभ होने से जनजागरूकता भी आएगी और सरकार का सेवा का संकल्प पूरा होगा। इस सेवा के लिए स्वास्थ्य विभाग धन्यवाद का पात्र है क्योंकि देश के अधिकांश राज्यों में यह सेवा नहीं है।

मध्यप्रदेश में बाघ की

के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है। केन्द्र सरकार द्वारा जारी टाइगर रिजर्व के प्रबंधन की प्रभावशीलता मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार पेंच टाइगर रिजर्व ने देश में सर्वोच्च रेंक प्राप्त की है। बांधवग?, कान्हा, संजय और सतपु?ा टाइगर रिजर्व को सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन वाले रिजर्व माना गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है।

एमपी विधानसभा मानसून सत्र

संकल्प की 23 और शून्यकाल की 65 सूचनाएं विधायकों की ओर से दी गई हैं। विधायकों ने नियम-139 के तहत एक सूचना दी है। एक स्थगन प्रस्ताव की सूचना भी सचिवालय को दी गई है। इस सत्र में तीन सरकारी विधेयक भी पेश किए जाएंगे।

कांग्रेस का सदन से सड़क तक हंगामा

पहले ही दिन ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सदन से सड़क तक हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायकों ने इस विषय पर सरकार को घेरते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए। कांग्रेस ने विधानसभा परिसर में प्रतीकात्मक गिरगिट लेकर पहुंचे। कांग्रेस ने भाजपा सरकार को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला बताया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट जवाब मांगता है, तब सरकार चुप्पी साध लेती है, लेकिन चुनाव आते ही ओबीसी वर्ग को भ्रमित कर उनके वोट बटोरने की राजनीति शुरू हो जाती है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन हमारा संवैधानिक अधिकार है। जब तक ओबीसी समाज को उनका हक नहीं मिलेगा, हम चुप नहीं बैठेंगे। भाजपा की सरकार कांग्रेस का बनाया ओबीसी आरक्षण का कानून लागू नहीं कर रही है।

न्यूज गैलरी

आज भी शेयर बाजार की निगेटिव ओपनिंग, सेंसेक्स 163 अंक लुढ़का, निफ्टी 24,782 पर

मुंबई। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार रेड जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 163 अंकों की गिरावट के साथ 81,299.97 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ 24,782.45 पर खुला। कारोबरी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 721 अंकों की गिरावट के साथ 81,463.09 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ 24,837.00 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी पर सिप्ला, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ रेड्डीज लैब्स और एचडीएफसी लाइफ के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, बजाज ऑटो के शेयर टॉप लूजर की लिस्ट में शामिल रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई. फार्मा को छोड़कर, अन्य सभी क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में बंद हुए. एपीएल अपोलो ट्यूब्स मिडकैप सूचकांक में सबसे अधिक नुकसान में रहा, जिसमें 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई. निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 1.61 फीसदी की गिरावट आई, और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 2.1 फीसदी की गिरावट आई। बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व जैसी दिग्गज कंपनियों और अन्य दिग्गज शेयरों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार काफी गिरावट के साथ बंद हुए थे।

ब्यूटी और पर्सनल केयर ई-कॉमर्स मार्केट में तेजी

नई दिल्ली। डिजिटल एंड ट्रेंड्स की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक सौंदर्य और पर्सनल केयर ई-कॉमर्स बाजार में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। यह क्षेत्र अगले पांच वर्षों में 338.93 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। वैश्विक सौंदर्य और पर्सनल केयर ई-कॉमर्स बाजार अगले पांच वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। डिजिटल एंड ट्रेंड्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है और 2029 तक इसमें निरंतर वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। 2018 में, इसका कुल बाजार राजस्व 115.23 डॉलर था। यह संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है। 2019 में, इसका राजस्व बढ़कर 132.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। साल 2020 में यह और बढ़कर 166.06 अरब डॉलर हो गया। 2021 में भी वृद्धि जारी रही और 201.66 अरब डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि 2022 में इसमें मामूली गिरावट आई और यह 196.56 अरब डॉलर पर आ गया। लेकिन बाजार में तेजी से सुधार हुआ और 2024 में यह 227.26 अरब डॉलर तक पहुंच गया। रिपोर्ट में 2025 के लिए 257.54 अरब डॉलर के राजस्व का अनुमान लगाया है।

जीएसटी परिषद सितंबर से पहले इस प्रस्ताव पर चर्चा कर सकती है

कपड़ा उद्योग में एक समान 12 प्रतिशत जीएसटी पर विचार कर रही सरकार

नईदिल्ली। केंद्र सरकार कपड़ा उद्योग के लिए एक समान 12 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने पर विचार कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी परिषद सितंबर से पहले इस प्रस्ताव पर चर्चा कर सकती है। केंद्र सरकार इस योजना का समर्थन कर रही है, जो जीओएम की कर-युक्तिकरण रिपोर्ट का हिस्सा हो सकती है। इसका उद्देश्य उलटे शुल्क ढांचे को सुधारना है, जो लंबे समय से कपड़ा उद्योग की रफ्तार में रुकावट बना हुआ है। वर्तमान में कपास पर 5 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और सिंथेटिक रेशों व रसायनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। इसके अलावा, 2,000 रुपये तक के कपड़ों पर 5 प्रतिशत और उससे महंगे कपड़ों पर 12 प्रतिशत कर लगाया जाता है। अब प्रस्ताव है कि कपास से लेकर अंतिम परिधान तक, पूरी मूल्य श्रृंखला पर 12 प्रतिशत जीएसटी लागू किया जाए। यह खरीदारों पर कर होगा, जिससे कर ढांचे में समानता आ सकेगी। कपास पर कम जीएसटी और अन्य स्तरों पर ऊंचे कर ने उलटा शुल्क ढांचा खड़ा कर दिया है, जिससे पूंजी अटक जाती है और रिफंड की जरूरत बार-बार पड़ती है। इससे निवेश में रुकावट आती है और कीमतें भी लगातार बढ़ती हैं। प्रस्तावित बदलाव से कार्यशील पूंजी का बहाव सुधरेगा, रिफंड की आवश्यकता घटेगी और उद्योग को कर ढांचे में अधिक स्पष्टता मिलेगी। इससे दर विकृति दूर हो सकती है और प्रतिस्पर्धा में सुधार आ सकता है।सिंथेटिक कपड़े, जो आम उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, उन पर फिलहाल 18 प्रतिशत तक का भारी टैक्स है। सरकार मानती है कि कर ढांचे में बदलाव से इन उत्पादों की लागत घटेगी और उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। अगर पूरी श्रृंखला को 12 प्रतिशत स्लैब में लाया गया, तो छिपी लागतें खत्म होंगी, पूंजी नहीं फंसेगी और कपड़ा क्षेत्र में नए निवेश आकर्षित हो सकेंगे।

30 जून 2025 तक कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या 6,13,069

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ ने 2025 में 2 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से हटाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता कंपनी, ने 2025 में अपने वैश्विक कर्मचारियों में से लगभग 2 प्रतिशत यानी 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई है. यह छंटनी मुख्य रूप से मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी. 30 जून 2025 तक कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या 6,13,069 थी, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में टीसीएस ने 5,000 नए कर्मचारियों की भर्ती भी की है। यह निर्णय टीसीएस की 'फ्यूचर-रेडी' रणनीति का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत कंपनी तकनीकी नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, नए बाजारों में विस्तार और कार्यबल के पुनर्संरचना पर विशेष ध्यान दे रही है. कंपनी ने पुनः कौशलीकरण और पुनर्नियोजन के कई पहल शुरू किए हैं, ताकि कर्मचारियों को बदलते कारोबारी माहौल के अनुसार तैयार किया जा सके। टीसीएस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. कृतिवासन ने बताया कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण आईटी क्षेत्र में मांग में कमी आई है, जिससे राजस्व वृद्धि सीमित हो गई है. उन्होंने वित्त वर्ष 26 में दो अंकीय राजस्व वृद्धि की संभावना को कम बताया और कहा कि ग्राहक निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं, जो इस परिदृश्य को प्रभावित कर रहा है.

वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो 2025-26 की पहली तिमाही में टीसीएस ने 63,437 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.3 प्रतिशत अधिक है. इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 5.9 प्रतिशत बढ़कर 12,760 करोड़ हुआ। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो 2025-26 की पहली तिमाही में टीसीएस ने ?63,437 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.3 प्रतिशत अधिक है. इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 5.9 प्रतिशत बढ़कर ?12,760 करोड़ हुआ। छंटनी प्रक्रिया में प्रभावित कर्मचारियों को उचित लाभ, आउटप्लेसमेंट, काउंसलिंग और अन्य सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी पुनःरोज़गार की प्रक्रिया सहज हो सके। आर्थिक मंदी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकी प्रगति के कारण नौकरी के स्वरूप में बदलाव आई है, जिसके चलते कंपनियां अपने कार्यबल को पुनःसंतुलित कर रही हैं।

सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशकों का भरोसा कायम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक दो सरकारी प्रतिभूतियों की सफल नीलामी की। इन नीलामियों के जरिए कुल 36,000 करोड़ रुपये जुटाए गए। यह सरकारी बॉन्ड के प्रति निवेशकों की मजबूत मांग को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 36,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न की। आरबीआई ने 5.91 फीसदी पर 2028 में परिपक्व होने वाली प्रतिभूति के लिए 6,000 करोड़ रुपये और 6.33 फीसदी पर 2035 में परिपक्व होने वाली प्रतिभूति के लिए 30,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि तय की थी। दोनों नीलामियां पूरी तरह सब्सक्राइब हो गईं। यह सरकारी बॉन्ड के प्रति निवेशकों की मजबूत मांग को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार 5.91 प्रतिशत जीएस 2028 के लिए 98 प्रतिभागियों से कुल 24,453 करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली प्रस्ताव मिले। वहीं, 6.33 प्रतिशत जीएस 2035 के लिए 402 बोलियों के जरिए 74,694 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुईं। मूल्यांकन के बाद, आरबीआई ने 2028 बॉन्ड के लिए 5,998.13 करोड़ रुपये और 2035 बॉन्ड के लिए 29,947.86 करोड़ रुपये की प्रतिस्पर्धी बोलियों को स्वीकार किया। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां भी पूरी तरह स्वीकार कर ली गईं। इनकी राशि क्रमशः 1.86 करोड़ रुपये और 52.13 करोड़ रुपये थी। प्रतिस्पर्धी बोलियों में कंपनियां, बैंक और अन्य संस्थाएं निश्चित प्रतिफल पर बोली लगाकर प्रतिभूतियों में निवेश करती हैं। इसमें आवंटन सबसे कम बोली लगाने वालों को दिया जाता है।

हालांकि, गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियों में खुदरा निवेशक और छोटे संस्थागत भाग लेते हैं और वे वांछित प्रतिफल नहीं देते हैं। दोनों प्रतिभूतियों की नीलामी को प्राथमिक डीलरों से पूरा अंडरराइटिंग समर्थन मिला। 2028 के बॉन्ड के लिए 6,000 करोड़ रुपये और 2035 के बॉन्ड के लिए 30,000 करोड़ रुपये की पूरी अधिसूचित राशि को अंडरराइट किया गया और स्वीकार भी कर लिया गया। यह संकेत देता है कि निवेशक कम रिटर्न के बावजूद सरकारी बॉन्ड्स में निवेश को तैयार हैं, जो इन प्रतिभूतियों में गहरे भरोसे का संकेत है। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 5 अगस्त से 7 अगस्त 2025 के बीच आयोजित होने वाली है।

खेल, मनोरंजन

गिल-जडेजा और सुंदर के शतकों ने भारत को पारी की हार के संकट से निकाला; चौथा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त

स्पोर्ट्स डेस्क। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 358 रन बनाए थे। पहली पारी में इंग्लैंड ने 10 विकेट पर 669 रन बनाए और 311 रनों की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारत ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 425 रन बनाए और मैच ड्रॉ पर समाप्त कर दिया। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ करा लिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 358 रन बनाए थे। पहली पारी में इंग्लैंड ने 10 विकेट पर 669 रन बनाए और 311 रनों की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारत ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 425 रन बनाए और मैच ड्रॉ पर समाप्त कर दिया। इंग्लैंड अब भी पांच मैचों की इस सीरीज में 1-2 से आगे है। मौजूदा सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। पांचवें दिन भारत की दूसरी पारी दो विकेट पर 174 के स्कोर से शुरू हुई। उस वक्त टीम इंडिया इंग्लैंड से 137 रन पीछे थी और क्रीज पर शुभमन गिल और केएल राहुल मौजूद थे। पहले सत्र में भारत को 188 रन के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। बेन स्टोक्स ने केएल राहुल को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह वह 230 गेंदों में 90 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए गिल के साथ 421 गेंदों में 188 रन की साझेदारी निभाई। इस तरह केएल राहुल और शुभमन गिल ने इंग्लैंड में किसी भी भारतीय जोड़ी द्वारा एक टेस्ट में सबसे ज्यादा गेंदें खेलने का रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड संजय बांगर और राहुल द्रविड़ (405) के नाम था, जो उन्होंने 2002 में लीड्स में बनाया था। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए वाशिंगटन सुंदर ने शुभमन गिल के साथ 34 रनों की साझेदारी निभाई। इस दौरान कप्तान गिल ने 238 गेंदों में 103 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 12 चौके निकले। गिल ने 228 गेंदों में मौजूदा सीरीज में चौथा शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का नौवां सैकड़ा भी है। इसी के साथ गिल ने ब्रैडमैन की बराबरी कर ली। बतौर कप्तान किसी सीरीज में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रैडमैन के नाम दर्ज है। उन्होंने 1947 में भारत के खिलाफ चार शतक जड़े थे। गिल को आर्चर ने विकेटकीपर जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराया। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर को रवींद्र जडेजा का साथ मिला। दोनों ने आखिरी दम तक भारत की पारी को संभाला और न सिर्फ भारत पर मंडराए पारी से हार के संकट को टाला बल्कि मैच ड्रॉ भी कराया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 334 गेंदों में 203 रनों की नाबाद साझेदारी हुई।

एकता कपूर संग फिर से काम करना चाहती हैं अंजुम फाकिह, बोलीं- मैं उनकी फैन

टेलीविजन अभिनेत्री अंजुम फाकिह ने फिल्म और टीवी शो निर्माता एकता कपूर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। कुंडली भाग्य और बड़े अच्छे लगते हैं 2 जैसे एकता के लोकप्रिय शो में काम कर चुकीं अंजुम ने बताया कि वह एकता की प्रशंसक हैं। अंजुम फाकिह ने कहा कि वह हमेशा से एकता कपूर और शोभा कपूर के काम को पसंद करती हैं और उनकी फैन हैं। उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रीबूट की चर्चा पर कहा, मैं एकता, शोभा आंटी और बालाजी टेलीफिल्म्स की प्रशंसक हूं। अगर मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो जरूर हां कहूंगी।

अंजुम नए रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगी, जिसमें वह शहर की चकाचौंध छोड़कर गांव की सादगी भरी जिंदगी को अपनाती लड़की के रूप में दिखेंगी। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम शहर की लड़कियां हैं। गांव की जिंदगी का अनुभव करने का मौका कौन छोड़ेगा? यह कॉन्सेप्ट बहुत नया और रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं। अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गईं। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की। चूल्हे पर खाना बनाने की बात पर उन्होंने हंसते हुए कहा, चूल्हा जलाने पर धुआं आंखों में बहुत चुभता है। मुझे नहीं पता मैं यह कैसे मैनेज करूंगी! जी टीवी का यह रियलिटी शो छोरियां चली गांव रणविजय सिंह होस्ट करेंगे। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी की चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी।

फुटबॉल...सात दिन में 16 मुकाबले लगातार पांचवां ड्रा खेला गया

वाराणसी। वाराणसी के विभिन्न स्थानों पर होने वाली खेल प्रतिभाओं में खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। जिले के बाहर भी जाकर यहां के खिलाड़ी खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। उन्हें सम्मान के साथ प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। जिला फुटबॉल लीग मोहम्मद रजाउद्दीन स्मृति प्रतियोगिता का मैच बीएचयू के एंफीथियेटर मैदान पर खेला गया। लीग का लगातार पांचवां मैच भी ड्रॉ हो गया।

इससे पहले अब तक कुल सात मैच ड्रॉ हो चुके हैं। कार्यक्रम संयोजक राना अनवर ने बताया कि सात दिनों में कुल 16 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से नौ मैचों के ही परिणाम हार जीत में आए हैं। बताया कि आठवें दिन का पहला मैच खेल छात्रावास बनाम सिगरा एफसी के बीच खेला गया। खेल शुरू होते ही दोनों टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पहला हाफ गोल रहित बराबरी पर छूटा। दूसरे हाफ में दोनों टीम ने रणनीति में बदलाव किया लेकिन दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों की ओर से एक भी गोल नहीं हो सका। इस तरह मुकाबला 0-0 के स्कोर पर ड्रॉ हो गया। दिन का दूसरा मैच फुटबॉल नर्सरी बनाम बरेका के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों ने छोटे-छोटे पास और आपसी तालमेल से खेलना शुरू किया, लेकिन पहला हाफ में एक भी गोल नहीं हुआ। वहीं दूसरे हाफ के 50वें मिनट में फुटबॉल नर्सरी के सागर ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। एक गोल से बिछड़ने के बाद बरेका की टीम ने विपक्षी टीम के गोलपोस्ट पर आक्रामक शैली में हमले किए और खेल के 68वें मिनट में बरेका के बलु वर्मा ने शानदार गोल कर 1-1 से स्कोर बराबर कर दिया।

ज्ञान आदर्श स्कूल गुढ़ियारी में कलर बेल्ट परीक्षा का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर जिला ताइक्कांडो संघ द्वारा ज्ञान आदर्श स्कूल, गुढ़ियारी में कलर बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा संघ के सचिव प्रकाश भारती के मार्गदर्शन तथा कोच श्री कैलाश सिका के सहयोग से संपन्न हुई, जिसमें कुल 52 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस संबंध में प्रकाश भारती ने बताया कि ताइक्कांडो में बेल्ट ग्रेडिंग का क्रम व्हाइट से शुरू होकर येलो, ग्रीन, ग्रीन लाइन, ब्लू, ब्लू लाइन और अंत में रेड बेल्ट तक हुआ।

इस परीक्षा में कुल 52 खिलाड़ियों में से:
22 खिलाड़ियों ने येलो बेल्ट परीक्षा पास की,
14 खिलाड़ियों ने ग्रीन बेल्ट परीक्षा पास की,
5 खिलाड़ियों ने ग्रीन लाइन बेल्ट परीक्षा पास की,
5 खिलाड़ियों ने ब्लू बेल्ट परीक्षा पास की,
2 खिलाड़ियों ने ब्लू लाइन बेल्ट परीक्षा पास की, तथा
4 खिलाड़ियों ने रेड बेल्ट परीक्षा पास की।

सैयारा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 9: हाउसफुल 5 को पछाड़ अहान-अनीत की रोमांटिक ड्रामा बनी 2025 की दूसरी सबसे बड़ी हिट

देश भर में धूम मचाने वाली मोहित सूरी की निर्देशित म्यूजिक रोमांटिक ड्रामा सैयारा का जलवा थमने का नाम नहीं ले रहा है. नए कलाकारों अहान पांडे और अनीत पड्डा के अभिनय से सजी यह फिल्म न सिर्फ दर्शकों के दिलों को छू रही है, बल्कि बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड भी तोड़ रही है. फिल्म ने 9वें दिन कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। पहले सप्ताह की दमदार कमाई के बाद, फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी है. शानदार स्टोरी और गाने की वजह से मोहित सूरी की फिल्म सैयारा ने भारत में 200 करोड़ रुपये के क्लब में जगह बना ली है। सैकनिल्क के अनुसार, अहान पांडे और अनीत पड्डा की डेब्यू फिल्म ने भारत में केवल नौ दिनों में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 18 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, रिलीज के नौवें दिन फिल्म के कलेक्शन में 47.22 प्रतिशत का उछाल देखा गया. फिल्म ने दूसरे शनिवार को 26.5 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की, जिसके बाद सैयारा का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कलेक्शन 217.25 करोड़ रुपये हो गया है। खैर, सिर्फ भारत में ही नहीं, इस फिल्म का क्रेज सीमाओं से परे भी पहुच गया है. इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, सैयारा ने अपने दूसरे शुक्रवार को भी दमदार प्रदर्शन किया और दुनिया भर में 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। साथ ही, विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी इसने पहली बार मिलियन डॉलर की कमाई की।

न्यूज गैलरी

झालावाड़ हादसे के बाद एमपी स्कूल शिक्षा विभाग का आदेश

कहा- लीकेज या प्लास्टर गिरने की संभावना तो ना लगाएं क्लास; स्कूल की जांच के निर्देश दिए

भोपाल/नवप्रदेश। झालावाड़ स्कूल हादसे में हुई 7 बच्चों की मौत की घटना के बाद मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने सुरक्षा के इंतजाम बनाने के आदेश दिए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने सोमवार को आदेश जारी किए हैं, जिसमें सभी स्कूलों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के जिलों में अतिवृष्टि (भारी बारिश) की स्थिति है। इसको देखते हुए यदि किसी भी स्कूल की छत में लीकेज, सीपेज की स्थिति है तो इसकी मरम्मत कराई जाए। इसके लिए आवश्यक आवंटन किया जा चुका है। इसको लेकर 24 अप्रेल को विस्तृत निर्देश भी जारी किए गए थे। बता दें, पिछले निर्देश के बाद भी 19 जुलाई को भोपाल के बरखेड़ा स्थिति सरकारी स्कूल में चलती क्लास के दौरान दो बच्चियों के सिर पर छत से प्लास्टर का एक बड़ा टुकड़ा आकर गिड़ पड़ा था। जिससे एक बच्ची के सिर पर गंभीर चोट आई थी। इस दौरान स्कूल प्रबंधन ने मरम्मत ना करा पाने के पीछे बजट ना होने की बात कही थी।

प्लास्टर गिरने की संभावना तो ना लगाएं क्लास

लोक शिक्षण संचालनालय के नए निर्देश में साफ किया है कि प्राथमिक, माध्यमिक और हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में किसी भी प्रकार की सीपेज, लीकेज या सीलिंग का प्लास्टर गिरने की संभावना हो, वहां किसी भी कारण से क्लास ना लगाई जाएं। इससे साफ है कि विभाग ने भोपाल और झालावाड़ जैसी घटनाओं को गंभीरता से लिया है। इसके लिए सभी संबंधित शिक्षा संस्थानों के प्रचार्यों और प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया है कि हर कक्ष का दोबारा निरीक्षण करें। संभावित खतरों की पहचान करें और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएं। इसके लिए उपलब्ध आवंटन या स्थानीय मद का उपयोग करें। भोपाल में एक स्कूल में चलती क्लास के दौरान छत का प्लास्टर उखड़कर छात्राओं पर आ गिरा। इस हादसे में दो छात्राएं घायल हो गई। हादसा बीते शुक्रवार को राजधानी के बरखेड़ा स्थित शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल में हुआ। जिसका वीडियो शनिवार को सामने आया था। खास बात ये है कि इसी स्कूल में पहले भी क्लास में छत का प्लास्टर गिरा था, हालांकि उस दौरान क्लास में कोई नहीं होने से हादसा टल गया था। स्कूल का भवन 1984 में बना था।

'एकीकृत स्वास्थ्य परिसर' की अवधारणा पर करें कार्य : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

जीएमसी भोपाल की सामान्य सभा की 19वीं बैठक सम्पन्न

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को एक साथ जोड़कर 'एकीकृत स्वास्थ्य परिसर' की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, फैकल्टी को अनुसंधान एवं नवाचार के अवसर, और मरीजों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ एक ही स्थान पर मिल सकें। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य समय-सीमा में पूरे हों और उनकी गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पुराने छात्रावास भवनों के जीर्णोद्धार, मल्टी लेवल पार्किंग, जीएमसी परिसर की एप्रोच रोड के सुधार, मेडिकल कॉलेज भवन के रिडेवलपमेंट प्लान एवं चिकित्सकों, स्टाफ तथा फैकल्टी के लिए आवास और अन्य सहायक सुविधाओं के विकास योजना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने सामान्य सभा की 18 वी बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में सोमवार को गाँधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की सामान्य सभा की 19वीं बैठक हुई। बैठक में कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों, आय-व्यय, बजट तथा संस्थान के शैक्षणिक और भौतिक विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया गया। बैठक में गाँधी मेडिकल कॉलेज के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विस्तार से विचार हुआ । इनमें नव प्रस्तावित मिल्क बैंक की स्थापना, बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का निर्माण, प्रोफेसर्स की पदोन्नति प्रक्रिया का समयबद्ध निराकरण, संस्थान में चल रहे शोध कार्यों को सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराने की नीति, विद्यार्थियों के लिए आधुनिक छात्रावास सुविधाओं का विस्तार जैसे बिंदु शामिल रहे। छात्र-छात्राओं के लिए 200 सीटों वाला छात्रा पीजी हॉस्टल तथा 400 सीटों वाला छात्र पीजी हॉस्टल की प्रगति की समीक्षा की और शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को बताया गया कि हृदय रोग विभाग की सेवाएँ वर्तमान में हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक-1 की तीसरी एवं ग्यारहवीं मंजिल पर संचालित हैं। पुराने भवन में ट्रॉमा ब्लॉक के समीप स्थित कैथ लैब की वर्तमान कार्यप्रणाली से भी उन्हें अवगत कराया गया। उन्होंने विभाग के कामकाज, नॉन-इनवेसिव लैब की स्थिति तथा डीएम छात्रों के लिए चल रहे उच्चस्तरीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ब्लॉक-1 की तीसरी मंज़िल पर नवीन कैथ लैब की स्थापना से हृदय रोग से पीड़ित गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को और अधिक सुविधा मिलेगी। बैठक में महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, एमपीपीएचएससीएल के प्रबंध संचालक एवं कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री मयंक अग्रवाल, जीएमसी की अधिष्ठाता डॉ. कविता सिंह, चिकित्सा शिक्षा संचालक डॉ. अरुणा कुमार, हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, तकनीकी विशेषज्ञ और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नई शिक्षा नीति से रोजगार और कौशल विकास में बढेंगी संभावना : स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

मॉडल स्कूल छात्रसंघ का शपथ समारोह

भोपाल/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि देश में वर्ष 2014 के बाद शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ब?ा बदलाव देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति-2020 है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शिक्षा के क्षेत्र में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय है। नई शिक्षा नीति से स्कूल में बच्चों का कौशल विकास और भविष्य में रोजगार की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के उन अग्रणी राज्यों में है, जहां नई शिक्षा नीति को निरंतर प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। मंत्री श्री सिंह सोमवार को भोपाल के मॉडल स्कूल टीटी नगर छात्र संघ के शपथ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने इस मौके पर प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया। इन बच्चों ने बोर्ड की कक्षा 12वीं और 10वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किये हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने प्रदेश के स्कूलों की गुणवत्ता की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में 75 हजार स्कूल मॉडल, एक्सीलेंस और पीएमश्री के रूप में सर्व-सुविधा के साथ विकसित किये जा चुके हैं। बच्चों को विश्व-स्तरीय अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के लिये करीब 300 स्कूल सांदीपनि विद्यालय के रूप में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि रतलाम के सांदीपनि स्कूल ने तो दुनिया के श्रेष्ठ स्कूलों में अपना स्थान बनाया है। यह मध्यप्रदेश के लिये गौरव की बात है। मॉडल स्कूल टीटी नगर की चर्चा करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यह स्कूल अपनी उत्कृष्टता के कारण प्रदेश में अपना अलग स्थान रखता है। इस स्कूल के पढ़े बच्चों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है।

डिजिटल अटेंडेंस

स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में लागू डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था शिक्षकों के लिये भी सुविधाजनक है। शिक्षक डिजिटल प्लेटफार्म से अपने अवकाश की स्वीकृति, लेखा संबंधी और समस्याओं को भी दर्ज करा सकते हैं। इस डिजिटल प्लेटफार्म को भोपाल के कमांड सेंटर से संचालित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग जल्द ही अनुकंपा नियुक्ति नीति भी घोषित करेगा। इसके माध्यम से एक निश्चित समय-सीमा में दिवंगत शिक्षकों के परिवार के नियुक्ति संबंधी प्रकरणों को हल किया जायेगा।

कार्यक्रम को विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने भी संबोधित किया। मॉडल स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा ने गुणवत्ता के क्षेत्र में स्कूल को प्राप्त श्रेष्ठ पुरस्कारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्रसंघ के चुनाव के जरिये बच्चों को चुनाव प्रणाली और लोकतंत्र के महत्व के बारे में बताया गया है। बच्चों ने इस मौके पर देश की विविधता भरी संस्कृति पर केन्द्रित आकर्षक सामूहिक नृत्यों को प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में क्षेत्र की पार्षद श्रीमती अनीता अनेजा, उप प्राचार्य श्री आर.के. श्रीवास्तव, शिक्षकगण और परिजन भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डॉ. शबनम खान ने किया।

कृषि मंत्री शिवराज के काफिले में सुरक्षा चूक

बुलेटप्रूफ कार को रॉन्ग साइड से आ रही कार ने मारी टक्कर

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के वीआईपी काफिले की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही सामने आई है। रॉन्ग साइड से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनके काफिले में शामिल बुलेटप्रूफ कार को टक्कर मार दी, जिससे कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

राजधानी भोपाल में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के वीआईपी काफिले की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही सामने आई है। अरेरा हिल्स स्थित एयरटेल तिराहे के पास सोमवार रात उस वक्त अफरातफरी मच गई जब एक रॉन्ग साइड से आ रही तेज रफ्तार कार ने काफिले में शामिल बुलेटप्रूफ कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि उस समय बुलेटप्रूफ कार में कोई वीआईपी मौजूद नहीं था।

घटना के वक्त हेड कांस्टेबल राजेश नारायण (54) काफिले में चालक के रूप में ड्यूटी पर तैनात थे। वह पुलिस विभाग में कार्यरत हैं और रेडियो कॉलोनी में रहते हैं। जानकारी के अनुसार, यह घटना 25 जुलाई की रात करीब 9:15 बजे की है जब राजेश नारायण हूटर बजाते हुए शिवराज सिंह के काफिले के साथ पत्रकार भवन की ओर चढ़ाई पर जा रहे थे।

इसी दौरान एक कार रॉन्ग साइड से तेजी से आती हुई सामने से उनकी बुलेटप्रूफ कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद भी वीआईपी काफिला बिना रुके अपने रास्ते पर निकल गया। बाद में हेड कांस्टेबल राजेश नारायण ने थाने जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर लिया है और आरोपी कार चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विद्यालयों में एबीवीपी की सदस्यता एवं गतिविधियों पर एनएसयूआई ने जताई आपत्ति

जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

भोपाल/नवप्रदेश। एनएसयूआई मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य सोनी ने सोमवार को जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा भोपाल जिले के विभिन्न विद्यालयों में बिना अनुमति चलाए जा रहे सदस्यता अभियानों पर कड़ी आपत्ति दर्ज की है। ज्ञापन में बताया गया है कि एबीवीपी द्वारा कुछ विद्यालय परिसरों में जबरन घुसकर छात्रों में भय का वातावरण बनाया जा रहा है और शिक्षण कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है। बावड़िया कलां क्षेत्र के एक निजी विद्यालय में पूर्व में हुई घटना का हवाला देते हुए बताया गया कि वहां एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा शिक्षकों से दुर्व्यवहार और उत्पात जैसी गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं। एनएसयूआई ने डीईओ से मांग करी कि सभी विद्यालयों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे बिना अनुमति किसी भी बाहरी संगठन की गतिविधियों की अनुमति न दें।ऐसी घटनाओं की स्थिति में विद्यालय प्रबंधन तत्काल प्रशासन को सूचित करे एवं जिले के सभी विद्यालयों में विशेष निगरानी और सतर्कता बरती जाए। सोनी ने कहा कि विद्यालय ज्ञान का मंदिर हैं, उन्हें किसी भी राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखा जाना चाहिए। एनएसयूआई इस बात पर दृढ़ है कि विद्यार्थियों को भयमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में शिक्षा पाने का अधिकार है।यदि प्रशासन ने शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की, तो एनएसयूआई पूरे प्रदेश में आंदोलन करने पर मजबूर होगी।

इस दौरान एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष विदुषी शर्मा, जिला महासचिव तारिक खान, जिला महासचिव रेहान अहमद, आजाद वर्मा, हर्ष पाठक, कृष्ण उपाध्याय, देवांश मिश्रा, मुकुल परासर सहित अन्य साथी शामिल रहे।

बारिश के बीच ट्रैफिक व्यवस्था देखने पहुंचे कलेक्टर

भोपाल में लेफ्ट टर्न, ब्लैक स्पॉट देखे; अफसरों से समझी खामियां

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सोमवार को बारिश के बीच शहर की ट्रैफिक व्यवस्था देखने निकल पड़े। उन्होंने कई लेफ्ट टर्न और ब्लैक स्पॉट देखें। साथ ही पुलिस अधिकारियों से खामियां समझीं। उन्होंने सड़क किनारे ऊंचाई वाले पेड़ों की छंटाई करने को कहा। कलेक्टर के साथ जिपं सीईओ ईला तिवारी, एसीपी ट्रैफिक बीएस कौल समेत जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम और पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रैफिक को लेकर एक प्रजेंटेशन बनाया जाए। जिसमें खामियों को कैसे दूर किया जाए, यह भी हो।

सात नंबर समेत कई क्षेत्रों में पहुंचे

कलेक्टर अमले के साथ सात नंबर क्षेत्र में पहुंचे। यहां ब्लैक स्पॉट और लेफ्ट टर्न को व्यवस्थित करने को कहा। वे डिस्ट्रिक कोर्ट के सामने, प्लेटिनम प्लाजा और जेपी हॉस्पिटल के पास वाले चौराहे पर भी पहुंचे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए थे निर्देश

बता दें कि 27 जून को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई थी। इसमें स्कूलों में ई-रिक्शा का संचालन बंद होने समेत कई निर्णय लिए गए थे। पिछले सप्ताह ही ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

वहीं, बैठक में लिए गए अन्य निर्णय को कितना अमल में लाया गया, यह जांचने के लिए कलेक्टर ने दौरा किया। कलेक्टर ने ट्रैफिक सिग्नल, चौराहे-तिराहे का उन्नयन करने, लेफ्ट टर्न, डिवाइडर बनाने, रोड मार्किंग, स्टॉप लाइन, रोड साइन बोर्ड लगाने, स्पीड ब्रेकर, रम्बल स्ट्रिप्स के निर्माण, ब्लैक स्पॉट को लेकर भी चर्चा की।

भोपाल में रिटायर्ड अफसर के घर से लाखों की चोरी

परिवार के फॉर्म हाउस जाते ही चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़ा; 50-60 लाख की ज्वेलरी ले उड़े

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के ईदगाह हिल्स स्थित ब्राइट कॉलोनी में रविवार रात बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। अज्ञात चोरों ने कृषि विभाग से रिटायर्ड अफसर मिर्जा इफ्तेखार बेग के सूने मकान में सेंध लगाकर ताले तोड़े और अलमारी में रखी लगभग 50 से 60 लाख रुपए की पुरानी सोने-चांदी की ज्वेलरी चुरा ली। मिर्जा इफ्तेखार बेग (69) अपनी पत्नी रक्षा बेग के साथ परवलिया स्थित दामाद के फॉर्म हाउस गए हुए थे। शनिवार शाम करीब 4 बजे वे घर से निकले थे और रात लगभग 11:40 बजे लौटे। घर आने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर जब अलमारी देखी तो उसमें रखी पत्नी और बेटी की ज्वेलरी गायब मिली। ज्वेलरी की कुल कीमत 50 से 60 लाख रुपए आंकी गई है। फरियादी ने शाहजहानाबाद थाने पहुंचकर बेटी निदा मिर्जा के साथ रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि चोरी गई ज्वेलरी की सूची और बिल बाद में सौंपे जाएंगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रकरण दर्ज कर लिया। एफएसएल टीम की मदद से जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल चोरों का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है इसके अलावा, कॉलोनी में रहने वाले लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

27 फीसदी आरक्षण को लेकर सड़कों पर उतरी ओबीसी समाज

सीएम हाउस के घेराव को निकले ओबीसी कार्यकर्ताओं को रंगमहल टॉकीज पर पुलिस ने रोका

भोपाल/नवप्रदेश। 27 फीसदी आरक्षण की मांग को लेकर ओबीसी महासभा का उग्र प्रदर्शन सोमवार को राजधानी में हुआ। कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रंगमहल टॉकीज के पास ही रोक दिया। इस दौरान तेज बारिश होती रही, लेकिन ओबीसी कार्यकर्ता सड़कों पर डटे रहे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शनकारी जवाहर चौक से नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़े, लेकिन रंगमहल टॉकीज के पास भारी पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक लिया। यहां महासभा के पदाधिकारियों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

बारिश में भीगते हुए भी ओबीसी महासभा के कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं हुआ। सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार हल्की धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी।

उमंग सिंगार ने किया समर्थन

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता उमंग सिंगार भी पहुंचे और ओबीसी महासभा की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार पिछड़े वर्ग के हक को लगातार नजरअंदाज कर रही है। कांग्रेस इस लड़ाई में ओबीसी वर्ग के साथ खड़ी है।

महासभा ने तीन प्रमुख मांगें रखीं

शासकीय नौकरी में होल्ड किए गए 13 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल अनहोल्ड कर 27 प्रतिशत आरक्षण के अनुसार नियुक्तियां की जाएं।

शासकीय सेवा में पदोन्नति में आरक्षण लागू किया जाए।

जातिगत जनगणना कराई जाए, जनसंख्या आंकड़े सार्वजनिक हों और जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण लागू किया जाए।

महासभा का आरोप है कि प्रदेश की आधे से ज्यादा आबादी ओबीसी वर्ग की होने के बावजूद सरकारी नौकरी, प्रशासन, पुलिस, शासन और निजी क्षेत्र तक में उनकी भागीदारी नहीं है। महासभा के नेताओं ने कहा कि 90 के दशक में 27 फीसदी आरक्षण लागू करने की बात कही गई थी, लेकिन आज तक मध्यप्रदेश में यह पूर्ण रूप से लागू नहीं हो सका।

13 फीसदी आरक्षण होल्ड करना अन्याय

एड. धर्मेंद्र कुशवाह ने कहा कि वर्तमान में सरकार ने 13 फीसदी ओबीसी आरक्षण होल्ड कर रखा है, जिससे कई अभ्यर्थी ओवरएज हो चुके हैं। यह न सिर्फ संविधान की भावना के खिलाफ है, बल्कि सामाजिक न्याय का खुला उल्लंघन भी है। सरकार रोजगार के वादे कर सत्ता में आई थी, लेकिन अब बेरोजगारी को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड-नं-3, पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कॉलोनी भोपाल से प्रकाशित मो.नं. 9406245514, 9425237314 (न्याय क्षेत्र भोपाल) www.navpradeshbhopal@gmail.com